RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 211 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 27-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 डिजिटल मंचों को बच्चों की सुरक्षा की जिमेदारी लेनी चाहिए : वैष्णव

6 शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

7 खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो : भाग्यश्री

फर्स्ट टेक

अगर हमे खतरा हुआ तो दक्षिण कोरिया को मिटा देंगे : उत्तर कोरिया

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को ''पूरी तरह से मिटा'' सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे हम : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से ''हर एक घुसपैठिये'' को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है।

शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं।''

शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ''घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है।''

भगवद् गीता की आध्यात्मिक शिक्षाएं आज के युवाओं को नई दिशा दे सकती हैं : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारी आध्यात्मिक परंपरा में सभी जीवित प्राणियों और पौधों के प्रति प्रेम व करुणा की भावना को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है।

जमशेदपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगवद् गीता की आध्यात्मिक शिक्षाएं आज के युवाओं को एक नई दिशा दे सकती हैं और उनके जीवन को संवार सकती हैं। मुर्मू, झारखंड के जमशेदपुर के कदमा क्षेत्र में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र न्यास के शिलान्यास समारोह के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, जमशेदपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर आध्यात्मिक शिक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव का केंद्र होगा। यहां छात्रावास में लड़कियों सहित गरीब बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवद् गीता में निहित शिक्षाएं आत्मिक पोषण हैं। मुर्मू ने प्रस्तावित आध्यात्मिक केंद्र के निर्माण में योगदान देने वालों की भी सराहना की। उन्होंने इस बारे में कहा कि यह युवाओं में भगवद् गीता की शिक्षाओं को आत्मसात करने और उनके व्यक्तित्व को आकार देने में मदद करेगा। राष्ट्रपति ने कहा, हमारी आध्यात्मिक परंपरा में सभी जीवित प्राणियों और पौधों के प्रति प्रेम व करुणा की भावना को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा, महाप्रभु जगन्नाथ समस्त ब्रह्मांड के स्वामी हैं। उनकी कृपा समस्त मानवता पर बिना किसी भेदभाव के समान रूप से बरसती है। मुर्मू ने कहा कि भगवान जगन्नाथ के द्वार पर जाति, धर्म या छुआछूत नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण भगवान जगन्नाथ को 'जगत के नाथ' भी कहा जाता है। मुर्मू ने झारखंड की राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि राज्य ने सामाजिक सद्भाव का एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है और आदिवासी परंपराओं को संरक्षित रखा है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि अब तक देशभर में 500 से अधिक जगन्नाथ मंदिर बनाए जा चुके हैं।

श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परमार्थ केंद्र न्यास के प्रबंध न्यासी और उद्योगपति एस. के. बेहरा ने बताया कि प्रस्तावित आध्यात्मिक केंद्र ओडिशा के पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति होगा।

सेना निर्णायक जमीनी कार्रवाई के लिए तैयार, नहीं डरेगी : पश्चिमी सेना के कमांडर

पठानकोट/भाषा। पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना भविष्य की किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है और परमाणु धमकियों से नहीं डरेगी। सैन्य अधिकारी ने जोर देकर कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी संघर्ष का निर्णायक परिणाम जमीन पर ही निकलेगा। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान ने परमाणु धमकियां देते हुए लगातार युद्धविराम की मांग की।

पश्चिमी कमान के प्रमुख ने कहा, उन्होंने (पाकिस्तानी सेना ने) कहा था कि अगर वे हारे, तो वे आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने उनकी परमाणु धमकियों को नजरअंदाज कर दिया। इस बार, हम पहले की तुलना में बेहतर तरीके से तैयार हैं और हमारे पास भविष्य की एक स्पष्ट योजना है।

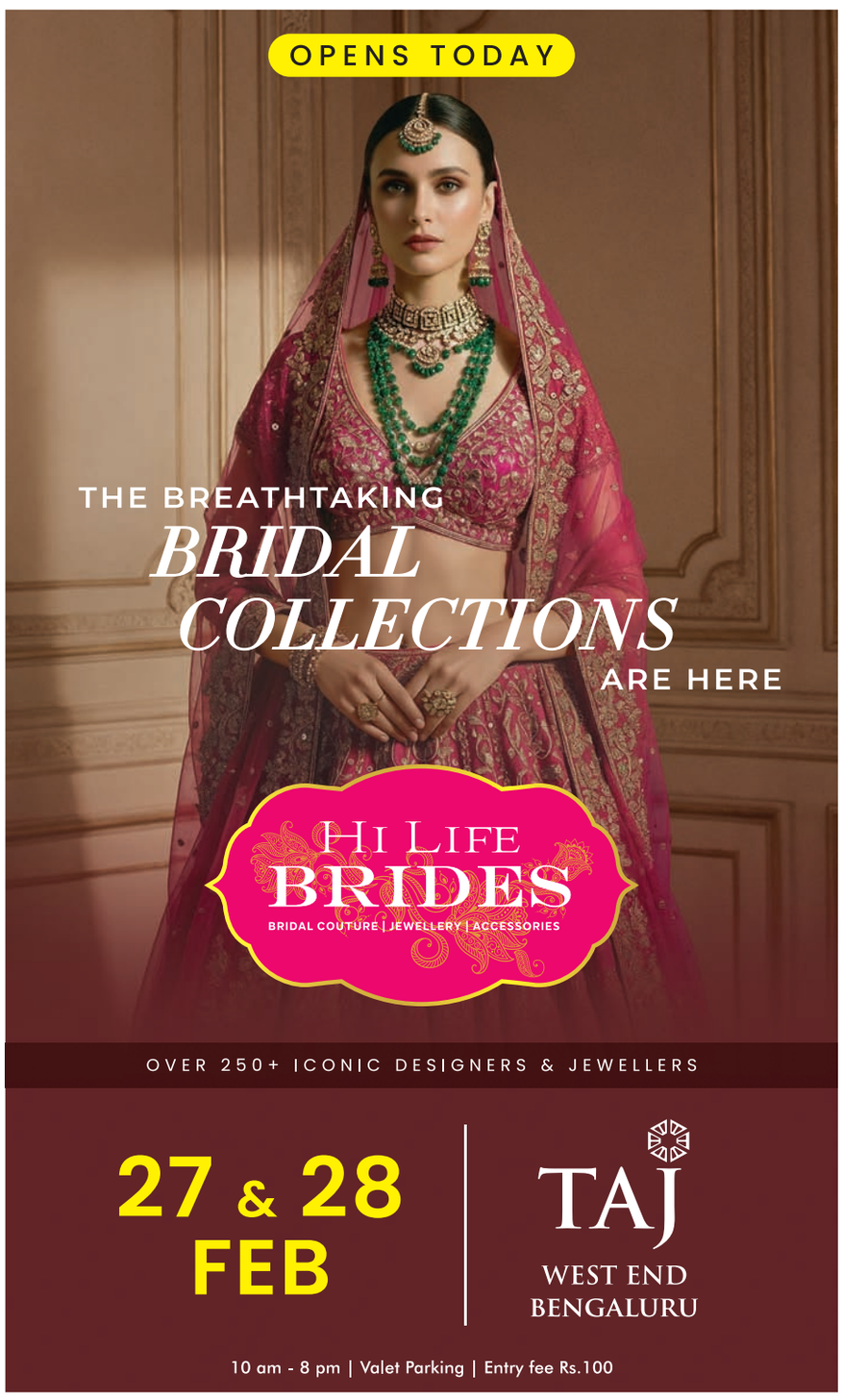

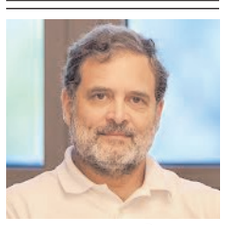

सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो लोकतंत्र मर जाता है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर असहमति को ''अपराध'' बना देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह समझना चाहिए कि भारत उत्तर कोरिया नहीं है और जब सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो ''लोकतंत्र मर जाता'' है। उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण विरोध अपराध नहीं, लोकतंत्र की आत्मा है तथा सवाल पूछने से लोकतंत्र मजबूत होता है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज भारत में 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' के राज में शांतिपूर्ण विरोध करना ही सबसे बड़ा अपराध बना दिया गया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को धीरे-धीरे ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साज़िश बताया जाता है।'' उन्होंने कहा, ''सोचिए, मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब लाठियों से मिला।

बिरला ने न्यायाधीश वर्मा को हटाने के कारणों पर जांच करने वाली समिति का पुनर्गठन किया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पिछले साल मार्च में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में उन्हें पद से हटाने के कारणों की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया है। लोकसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि समिति को 26 फरवरी से तीन महीने का कार्यकाल विस्तार भी दिया गया है। बिरला ने पिछले साल 12 अगस्त को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने के लिए एक बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद महाभियोग की प्रक्रिया को तेज करते हुए समिति का गठन किया था।

लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह द्वारा बुधवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए जिन कारणों पर विचार की प्रार्थना की गई है, उनकी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली समिति का आंशिक संशोधन के साथ पुनर्गठन किया है। इस समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य को शामिल किया गया है।

अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ 2,220 करोड़ रुपए के बैंक 'धोखाधड़ी' मामले में सीबीआई ने नया मामला दर्ज किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और बैंक को 2,220 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक नया मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी की है। इस ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं।''

प्रवक्ता ने कहा, प्राथमिकी में आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा लिए गए ऋणों के कारण बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। आरोप है कि इन ऋणों को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन करके कथित तौर पर गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों के अनुसार, खाते को 2017 में ही गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित कर दिया गया था। प्रवक्ता ने कहा, ''हालांकि, अनिल अंबानी की ओर से बम्बई उच्च न्यायालय में दायर याचिका के आधार पर, उच्च न्यायालय ने खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित करने पर रोक लगा दी थी।

बारामती विमान हादसे की जांच में पता किया जा रहा है कि साजिश थी या आपराधिक लापरवाही : सीआईडी

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बारामती विमान दुर्घटना की जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह साजिश थी या आपराधिक लापरवाही। इस दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। सीआई के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सुनील रामानंद ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि घटना की जांच विस्तृत और पेशेवर तरीके से की जा रही है। रामानंद ने कहा, ''सीआईडी जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि विमान दुर्घटना में कोई गड़बड़ी तो नहीं की गई थी। इसमें यह भी जांच की जाएगी कि क्या कोई आपराधिक लापरवाही हुई थी और तीसरा यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या किसी आपराधिक कृत्य को अंजाम तो नहीं दिया गया, जैसे कोई जरूरी कार्य को नहीं किया गया हो जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।''

मोदी ने इजराइल में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का किया दौरा, कंपनियों को भारत में निवेश का दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल की प्रौद्योगिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने और भारतीय युवाओं के साथ साझेदारी करने का आमंत्रण दिया है।

उन्होंने कृत्रिम मेधा(एआई), स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में अग्रणी नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का बुधवार को दौरा किया। इस दौरान उनके साथ इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को जानकारी देते हुए लिखा प्रदर्शनी में प्रौद्योगिकी जगत के ''विशेष नवाचारों'' की झलक देखने को मिली। उन्होंने कहा, '' कृत्रिम मेधा, क्वांटम, स्वास्थ्य सेवा, साइबर सुरक्षा, जल संसाधन, कृषि आदि क्षेत्रों में इजराइली युवाओं के अग्रणी कार्यों को देखा। इजराइली कंपनियों से भारत में निवेश करने और हमारे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ काम करने का आग्रह किया।'' प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रदर्शनी में कृषि-प्रौद्योगिकी, जल-प्रौद्योगिकी, जलवायु-प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य-जैव प्रौद्योगिकी, स्मार्ट परिवहन, एआई, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी

में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी इजराइली कंपनियों और शोध संस्थानों ने भाग लिया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि नवाचार एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी भारत-इजराइल द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख आधार है। दोनों देश 'इंडिया-इजराइल इनोवेशन ब्रिज' पहल के माध्यम से आधुनिक चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकी उद्यमियों और विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने नवप्रवर्तकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदर्शित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में भारत-इजराइल सहयोग को स्टार्टअप, नवाचार एवं व्यापारिक साझेदारियों में विशेष रूप से कृषि, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा एवं डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपार क्षमता है। उन्होंने इजराइली कंपनियों से भारत में निवेश, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी साझेदारी के अवसरों का पता लगाने तथा वैश्विक चुनौतियों के समाधान संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए भारतीय युवाओं के साथ काम करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को इजराइल पहुंचे। यह नौ वर्ष में उनकी इजराइल की दूसरी यात्रा है।

एनसीईआरटी विवाद पर प्रधान ने कहा, जवाबदेही तय करेंगे और कार्रवाई की जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा आठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल किए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को नाराजगी जतायी। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब उच्चतम न्यायालय ने पाठ्यक्रम के विवादित अंश के संदर्भ में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायिक संस्था को कमजोर करने और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए ''एक सुनियोजित प्रयास किया गया है।'' शीर्ष अदालत ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक पर ''पूर्ण प्रतिबंध'' लगा दिया। न्यायालय ने पुस्तक की सभी प्रतियों को जब्त करने के साथ-साथ इसके डिजिटल संस्करण को भी हटाने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, ''उन्होंने आघात किया है। न्यायपालिका आहत हुई है।'' एक दिन पहले एनसीईआरटी ने सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में ''अनुचित सामग्री'' के लिए माफी मांगी थी और कहा था कि उपयुक्त प्राधिकारों से परामर्श करके इसे फिर से लिखा जाएगा। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल हैं। पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक और विद्यालय शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा उनसे यह बताने को कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने कहा, जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं और खेद व्यक्त करता हूं... न्यायपालिका का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था। जांच की जाएगी और जवाबदेही तय की जाएगी। अध्याय तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जैसे ही हमें (ऐसी सामग्री होने की) जानकारी मिली, पाठ्यपुस्तकों का वितरण रोक दिया गया।'' उन्होंने जमशेदपुर में पत्रकारों से कहा, ''भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका सर्वोच्च है और हम उसका पूरा सम्मान करते हैं। हमने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। अदालत के निर्देशों का पालन किया जाएगा।''

प्रधान एक समारोह में भाग लेने के लिए जमशेदपुर में थे, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जगन्नाथ आध्यात्मिक केंद्र की आधारशिला रखी। एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, काफी संख्या में मुकदमों का लंबित रहना और न्यायाधीशों की कमी न्यायिक प्रणाली के समक्ष पेश आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा यह स्पष्ट चेतावनी दिए जाने के बाद कि वह धरती पर किसी को भी न्यायपालिका की गरिमा को धूमिल करने नहीं देगा, एनसीईआरटी ने पाठ्यपुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया।

गूगल मैप पर जल्द दिखेंगे अधिकृत आधार केंद्र, यूआईडीएआई ने की पहल

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने देशभर में अधिकृत 'आधार' केंद्रों को गूगल मैप पर प्रदर्शित करने के लिए साझेदारी की है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस पहल से लोग गूगल मैप पर खोज कर यह जान सकेंगे कि संबंधित आधार केंद्र पर वयस्क नामांकन, बच्चों का नामांकन या केवल पता और मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा जैसी कौन-सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा गूगल मैप पर आधार केंद्र की सुगम्यता से जुड़ी जानकारी भी दिखाई जाएगी। इसमें दिव्यांगजन के अनुकूल ढांचा, पार्किंग सुविधा और कार्य समय की जानकारी शामिल होगी। यह सुविधा आने वाले महीनों में शुरू होने की संभावना है। इस सहयोग से देश भर में मौजूद 60,000 से अधिक आधार केंद्रों तक लोगों की आसान पहुंच सुनिश्चित होगी। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा, आधार संख्या धारकों के जीवन को आसान बनाना हमारी प्राथमिकता है। यह सहयोग अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच को सरल, तेज और पारदर्शी बनाएगा। साझेदारी के अगले चरण में यूआईडीएआई 'गूगल बिजनेस प्रोफाइल' के जरिये केंद्रों की जानकारी का प्रबंधन करेगा।

वैश्विक स्तर पर जोखिम से सोने की 'चमक' कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है। रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए 'सुपरसाइकल' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, ''सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। जैसे-जैसे वैश्विक भंडार धीरे-धीरे डॉलर-केंद्रित परिसंपत्तियों से हटकर विविधीकरण की ओर बढ़ रहे हैं और भौतिक आपूर्ति सीमित बनी हुई है, सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास और उससे ऊपर बनी रहने की संभावना है।''

दमानी ने कहा कि यह चक्र न केवल मुद्रास्फीति से, बल्कि राजकोषीय और मौद्रिक प्रणालियों में विश्वास का भी परिणाम है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच वास्तविक ब्याज दर सकारात्मक होने पर भी सोने की कीमतों में वृद्धि जारी रही, जबकि आमतौर इस स्थिति में कीमतें गिरती हैं।

जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लाने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है। राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, '' हम ड्राइविंग लाइसेंस में 'ग्रेडेड अंक प्रणाली' ला रहे हैं।'' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी।

गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई।

दिल्ली को 2047 तक ज्ञान की राजधानी के तौर पर स्थापित करने का लक्ष्य : सूद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को महाराजा अग्रसेन कॉलेज में एक नए छात्र 'स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर' का उद्घाटन किया और 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर' की आधारशिला रखी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। मंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज में एक मल्टीमीडिया सेमिनार हॉल, पांच स्मार्ट क्लासरूम और एक आरएफआईडी-सक्षम पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का भी उद्घाटन किया।

सूद ने कहा कि सरकार बेहतर बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उच्च शिक्षा को मजबूत करने के लिए काम कर रही है और उसका राजधानी की शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक सुधार लाने का लक्ष्य है। 'स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर' विद्यार्थियों को एक समग्र एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, वहीं 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर' भारतीय ज्ञान, संस्कृति एवं परंपराओं के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा देगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान को कोष के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा कोई भी शिक्षक अपनी गरिमा की रक्षा के लिए सड़क पर आने को मजबूर नहीं होगा। सूद ने कहा, सरकार स्मार्ट बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 'बड़े पैमाने पर और तेजी से' काम कर रही है, जिसमें अगले चरण में कक्षा नौवीं से 12वीं तक की 7,000 कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम में बदलने की योजना शामिल है। इस कार्यक्रम में दिल्ली विवि से संबद्ध, दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित 12 कॉलेजों के प्राचार्यों का प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित था।

छह साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से 989 हथियार बरामद: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में पिछले छह सालों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, आत्मसमर्पण करने वाले और गिरफ्तार माओवादियों से एके-47, इंसास और एसएलआर राइफल समेत 989 हथियार बरामद किए गए हैं। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में दी।

विपक्ष के नेता चरण दास महंत के एक सवाल के लिखित जवाब में शर्मा ने यह भी बताया कि पिछले सात सालों में नक्सलियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों से 48 हथियार लूटे हैं। उन्होंने कहा कि लूटे गए हथियारों में दो एसएलआर, एलएमजी, 29 एके -47 राइफल, दो सात इंसास राइफल और तीन

9एमएम पिस्तौल शामिल हैं। शर्मा के पास गृह विभाग भी है। महंत ने अपने सवाल में 2019-20 से इस वर्ष 31 जनवरी तक सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी मांगी थी। उन्होंने यह भी पूछा था कि 2020 से अब तक कितने नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, गिरफ्तार हुए या पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तथा उनसे कितने और किस तरह के हथियार बरामद या ज़ब्त किए गए।

अपने जवाब में, शर्मा ने कहा कि एक जनवरी, 2020 से 31 जनवरी, 2026 तक, अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 4,340 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, 3,644 गिरफ्तार हुए और 666 मारे गए। उन्होंने कहा कि इन मुठभेड़ों के बाद 671 हथियार बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि इसी दौरान, गिरफ्तार नक्सलियों से 80 हथियार ज़ब्त किए गए, जबकि आत्मसमर्पण करने वालों से 238 हथियार बरामद किए गए।

शर्मा ने कहा कि कुल बरामद हथियारों में 70 एके -47 राइफलें, 82 सेल्फ लोडिंग राइफलें (एसएलआर) और 75 इंसास राइफलें थीं। गृहमंत्री ने कहा एक जनवरी 2019 से 31 जनवरी 2026 के बीच नक्सलियों ने सुरक्षा बलों से 48 हथियार लूटे थे, जिनमें 29 एके -47 राइफलें, सात इंसास राइफलें और दो एसएलआर शामिल हैं।

बुकिंग के 48 घंटे के भीतर हवाई टिकट रद्द करने पर नहीं लगेगा शुल्क, नियमों में संशोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकते हैं या उसमें बदलाव कर सकते हैं। हालांकि, यह कुछ शर्तों पर निर्भर करेगा। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने इसको लेकर टिकट किराया वापसी नियमों में संशोधन किया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों में संशोधन करते हुए यह भी कहा कि यदि यात्री, बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है, तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए।

डीजीसीए ने कहा, ''ट्रैवल एजेंट/पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में, पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।'' इसके अलावा, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण यात्रियों के टिकट रद्द करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। समय पर रिफंड न मिलने की यात्रियों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए हवाई टिकट वापसी के लिए नागर विमानन आवश्यकताओं (सीएआर) में संशोधन किए गए हैं।

दिसंबर, 2025 में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के दौरान भी टिकट वापसी का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया था। उस समय नागर विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर रिफंड करने का निर्देश दिया था। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। अब

एयरलाइंस को निर्देश दिया गया है कि वे यात्रियों को टिकट बुक करने के बाद 48 घंटे की अवधि के लिए 'लुक इन' यानी उसे अद्यतन करने का विकल्प प्रदान करें।

नियामक ने कहा, ''इस अवधि के दौरान यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके लिए जो भी किराया बनता है यानी किराये में जो अंतर है, वह देना होगा। नियामक ने कहा, ''जब टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया जाता है, यह सुविधा उन उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं होगी जिनकी प्रस्थान तिथि घरेलू उड़ानों के मामलों में बुकिंग की तारीख से सात दिन से कम और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन से कम है।'' बुकिंग समय के 48 घंटे बाद, यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा और यात्री को संशोधन के लिए टिकट रद्द कराने को लेकर संबंधित शुल्क का भुगतान करना होगा। डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री द्वारा टिकट बुकिंग के 24 घंटे के भीतर नाम में किसी तरह की गलती बताई जाती है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया जाता है, तो उसी व्यक्ति के नाम में सुधार के लिए एयरलाइन को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। नियामक के अनुसार, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द होने की स्थिति में एयरलाइन कंपनी पैसा वापस कर सकती है या 'क्रेडिट' विकल्प प्रदान कर सकती हैं। इसके तहत यदि यात्री या उसी पीएनआर में सूचीबद्ध परिवार का कोई सदस्य यात्रा के दौरान अस्पताल में भर्ती होता है, तो यह नियम लागू होगा।

डीजीसीए ने कहा, ''अन्य सभी परिस्थितियों में, यात्री की यात्रा के लिए 'फिटनेस' का प्रमाण पत्र एयरलाइन के एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ/डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ से प्राप्त होने के बाद पैसे वापस किए जाएंगे। अनुसूचित विमानन कंपनियों को दिसंबर, 2025 में यात्रियों से संबंधित कुल 29,212 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7.5 प्रतिशत 'रिफंड' से संबंधित थीं।

राहुल गांधी के मनोबल को भाजपा गिरा नहीं सकती, नहीं मिलेगा फायदा : जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पीयूष गोयल की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संबंध में दिए बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के संदर्भ में दिया गया बयान पूरी तरह से अनुचित है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें यह समझना होगा कि यह पहली मर्तबा नहीं है कि जब हमारे नेता राहुल गांधी को लेकर इस तरह का बयान दिया गया हो, बल्कि इससे पहले भी उनके फौलादी हौसलों को पस्त करने के मकसद से इस तरह के

बयान दिए जा चुके हैं। मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि बेशक ये लोग जितना चाहें उतना हमारे नेता राहुल गांधी पर बयान दे लें, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि वो हर प्रकार की परिस्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं। उन्हें रोका नहीं जा सकता है। मैं समझ सकता हूं कि इस तरह का बयान उनके मनोबल को गिराने के लिए दिया जा रहा है, लेकिन इससे किसी को भी कुछ प्राप्त होने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि जाहिर सी बात है कि पीयूष गोयल हमारे नेता राहुल गांधी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं कर सकते हैं। पीयूष गोयल को हमेशा से ही हमारे नेता राहुल गांधी की कार्यशैली से आपत्ति रही है, इसलिए वे इस तरह का बयान दे रहे हैं, जिसे मैं पूरी तरह से अनुचित समझता हूं।

कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि राहुल गांधी हमारे नेता हैं। वे राजनीति का प्रमुख चेहरा हैं, जिन्होंने राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है। साथ ही, वे कांग्रेस पार्टी का चेहरा हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा के लोग उनके संबंध में टिप्पणी तो करेंगे ही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जनता के नेता हैं, जो जनता की आवाज को प्रमुखता से उठाते हैं। वे जनता की आवाज को राजनीति में जगह देते हैं।

यादगिर में स्वयंभू बाबा के खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

यादगिर। कर्नाटक के यादगिर में एक वीडियो के वायरल होने के बाद एक स्वयंभू बाबा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस वीडियो में स्वयंभू बाबा को सात वर्षीय बच्ची को कथित तौर पर गलत तरीके से छूते हुए दिखाया गया है जिससे लोगों में अक्रोश फैल गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कथित वीडियो पर संज्ञान लेते हुए शाहपुर निवासी मल्लिकार्जुन मुथ्या नाम के स्वयंभू बाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया।

अधिकारियों ने बताया कि आयोग ने यादगिर के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर मामले की जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अनुरोध किया है। कथित वीडियो में 26 वर्षीय मुथ्या बच्ची को गोद में लिए हुए, उसके माता-पिता की उपस्थिति में उसे गलत तरीके से छूते और चूमते हुए दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि फुटेज में बच्ची असहज दिख रही थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा कल (25 फरवरी) दी गई शिकायत के आधार पर हमने पॉक्सो की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हमने बच्ची और उसके माता-पिता के बयान दर्ज किए हैं, जिन्होंने कहा कि उन्हें उसकी हरकतें अनुचित नहीं लगीं या यह सिर्फ एक गलत स्पर्श था। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मुथ्या को नोटिस जारी किया गया और मामले की जांच जारी है।

मुलाकात

बेंगलूरु में गुरुवार को टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के चेयरमैन बान माली अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से उनके कावेरी स्थित आवास पर मुलाकात की और चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पेन्नाना और सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश उपस्थित थीं।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में एबीवीपी के विरोध के बाद एफआईआर दर्ज, छात्रों ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की शिकायत पर सरजापुर पुलिस ने इंस्टाग्राम पेज स्पार्क रीडिंग सर्कल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह विरोध प्रदर्शन स्पार्क रीडिंग सर्कल नामक एक इंस्टाग्राम अकाउंट द्वारा कथित तौर पर साझा किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट के विरोध में शुरू हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि कुनान-पोशपोरा घटना पर प्री-कश्मीर शीर्षक के तहत परिसर में चर्चा आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ऋषिकेश ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि इंस्टाग्राम पेज स्पार्क रीडिंग सर्कल के पोस्ट ने संस्थान की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया और भ्रम पैदा किया। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया था और उसका सोशल मीडिया अकाउंट से कोई संबंध नहीं है।

वहीं, सरजापुर पुलिस ने कहा कि पोस्ट से लोगों की भावनाएं आहत हुईं, जिसके बाद कार्यकर्ता परिसर में घुस गए और हंगामा किया। शिकायत के आधार पर स्पार्क रीडिंग सर्कल के इंस्टाग्राम अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कहा कि प्रशासनिक अनुमति के बिना परिसर में किसी कार्यक्रम का आयोजन करना विश्वविद्यालय के प्रोटोकॉल का उल्लंघन हो सकता है, हालांकि छात्र परिषद का मानना है कि ऐसे उल्लंघन का समाधान एफआईआर के बजाय विश्वविद्यालय की आंतरिक प्रक्रियाओं, जैसे अनुशासनात्मक समिति के माध्यम से करना बेहतर है। परिसर में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले, हमारे समुदाय के सदस्यों को शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाले और विश्वविद्यालय की संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले लोगों को जमानत दे दी गई है और उन पर जमानती आरोप लगाए गए हैं। जबकि जिन छात्रों ने शांतिपूर्ण सभा का आयोजन किया, अब उन पर धारा 299 के तहत गैर-जमानती अपराध का आरोप लगाया गया है। विश्वविद्यालय की शिक्षा इतिहास, राजनीति और सामाजिक न्याय के साथ गहन चिंतन को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करती है। हमें कठिन प्रश्न पूछना सिखाया जाता है और हमने विश्वविद्यालय को खुली चर्चाओं के लिए एक सुरक्षित स्थान माना है। ठीक ऐसा करने पर प्रशासन द्वारा छात्रों के खिलाफ आपराधिक एफआईआर दर्ज करना उस बौद्धिक स्वतंत्रता को ही कमजोर करता है, जिस पर यह संस्था स्थापित है।

केनरा बैंक Canara Bank

केनरा बैंक ने बॉन्ड जारी कर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने बृहस्पतिवार को बॉन्ड जारी कर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए। बाजार सूत्रों ने बताया कि 10 साल में परिपक्व होने वाले बासेल तीन मानकों के अनुरूप टियर-दो बॉन्ड 7.24 प्रतिशत ब्याज दर पर बेचे गए हैं।

उन्होंने बताया कि आधार निर्गम 2,000 करोड़ रुपये का था, जबकि बाकी रकम 'ग्रीनशू विकल्प' यानी अधिक बोली आने पर उसे रखने के विकल्प का इस्तेमाल करके जुटाई गई है। सूत्रों ने बताया कि बैंक ने 7.24 प्रतिशत कूपन दर पर बोली स्वीकार कर 5,000 करोड़ रुपये की ऊपरी सीमा तक धन जुटाने का फैसला किया।

समर्थकों ने लगाए 'अगले मुख्यमंत्री' के नारे, मंत्री परमेश्वर ने खुद को अलग किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को तुमकुरु में समर्थकों द्वारा लगाए गए राज्य के 'अगले मुख्यमंत्री' नारों से खुद को अलग कर लिया। परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि वह इस पद के लिए अटकलों को हवा नहीं देंगे और ना ही पैरवी करेंगे क्योंकि कोई भी निर्णय पार्टी के आला कमान का है। परमेश्वर ने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा कि उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए नारों में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने दोहराया कि नेतृत्व संबंधी निर्णय उचित समय पर पार्टी नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि और कोई भ्रम उत्पन्न हो। हमारा आलाकमान उचित समय पर निर्णय लेगा।

मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा कथित पैरवी के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'मैं कोई पैरवी नहीं करूंगा। कल मैंने जो कहा क्या आपने वह नहीं सुना? किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं दिल्ली जा रहा हूं। मैं दिल्ली नहीं गया।' उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे निर्णय कांग्रेस के आलाकमान पर छोड़ दिए जाते हैं। परमेश्वर ने कहा कि शुभचिंतक अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं लेकिन उन्होंने उन्हें ऐसा करने से हतोत्साहित किया है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि हमारे शुभचिंतक यहां अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हों। मैं उन्हें ऐसा करने से कैसे मना कर सकता हूं? मैंने उन्हें ऐसा ना करने के लिए कहा है लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मैं इस भ्रम में शामिल नहीं होऊंगा और न ही इसे बढ़ावा दूंगा।' कर्नाटक के गृह मंत्री ने लापता बच्चों के मामलों के संबंध में कहा कि सरकार इसे गंभीरता से ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी देश में रह रहे विदेशियों का पता लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: B/TRD.2025-26/45
दिनांक: 20.02.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
यलहंका / टीएसएस (वायएनके) पर द्वितीय ट्रॉन्सफॉर्मर का प्रावधान।	रु. 1,63,83,584/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.03.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन विनियोग/बेंगलूरु
PUB/925/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: 02-MYS-2026
दिनांक: 19.02.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
आयल फायर्ड स्टीम बायलर - 2000 केजी सामर्थ्य का आपूर्ती और स्थापना (निविदा सं. L9256075A)	रु. 98,74,000.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 11.03.2026, 10:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक/मैसूरु
PUB/922/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/95
दिनांक: 19.02.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) एसएसई/पी.वे/हरप्पनहल्ली (एचपीएचआई) विभाग में गैंग रूम कम रेस्ट रूम का निर्माण - 09 नं. (2) एसएसई/पी.वे/दावणगेरे (डीवीजी) विभाग में - 05 नं. और एसएसई/पी.वे/राणेबेन्नूर (आरएनआर) विभाग में - 02 नं गैंग रूम कम रेस्ट रूम का निर्माण (3) हरिहर - 2.5 लाख सामर्थ्य वाली ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य।	रु. 36,98,068.51

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.03.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु
PUB/928/AAMO/PRB/SWR/2025-26
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
बेंगलूरु विभाग पर
पार्सल स्पेस, पॉर्किंग एवं एड्वर्टाईज़मेंट विभिन्न अनुबंधों के लिए ई-नीलामी
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए नीचे दिए हुए तारीखें में निविदादाताओं से ई-नीलामी आमंत्रित करते है।
1. पार्किंग और पे एंड यूज़: 05.03.2026, 06.03.2026
2. पार्सल: 04.03.2026, 06.03.2026, 09.03.2026
3. एड्वर्टाईज़िंग, एटीएम और विभिन्न: 04.03.2026, 05.03.2026
4. व्हाइटफील्ड में मल्टी यूटिलिटी हब: 06.03.2026
5. पार्सल कार्यालय में स्टोरेज की सुविधा: 04.03.2026
6. केएसआर बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन पर दूसरी वाणिज्यिक मंज़ूर गतिविधियों के साथ पार्किंग: 05.03.2026,
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक बेंगलूरु
PUB/923/AAMO/PRB/SWR/2024-25
रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

कन्नड़ फिल्म निर्देशक का अपहरण कर पीटने के आरोप में अभिनेत्री समेत 11 लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। कन्नड़ फिल्म निर्देशक का कथित तौर पर अपहरण कर उनकी बेरहमी से पिटाई करने और उनसे सोने के गहने व नकदी लूटने के आरोप में एक महिला समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह मामला 11 फरवरी को निर्देशक द्वारा अड्डुगोडी थाने में दर्ज कराई गयी शिकायत के बाद सामने आया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में ऐश्वर्या नाम की एक अभिनेत्री भी शामिल है, जो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं।

पुलिस ने बताया कि टीए अनीश ने शिकायत में बताया कि उन्होंने 'जीवनदा भाषे' नाम की एक नई फिल्म का निर्देशन किया है, जो अभी रिलीज होनी बाकी है। फिल्म के एक निवेशक और उनके साथ काम करने वाले एक अन्य सहयोगी का अनीश के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया। लगभग दो महीने पहले, शिकायतकर्ता बेंगलूरु से मुंबई आ गए।

अनीश ने शिकायत में बताया कि इस दौरान उन्होंने बेंगलूरु के इंदिरा नगर में रहने वाली अपनी एक अभिनेत्री मित्र को बताया कि वह अपनी कार बेचना चाहते हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को इस बात की जानकारी अभिनेत्री के माध्यम से मिली और उन्होंने शिकायतकर्ता से कहा कि वे वाहन बेचने में उनकी मदद करेंगे।

बागलकोट हिंसा : पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने अमित शाह को लिखा पत्र, कर्नाटक की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने पिछले दिनों हुई बागलकोट हिंसा के बाद एनआईए जांच की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है, जिसमें कर्नाटक की कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने का भी अनुरोध किया गया है। पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने आरोप लगाए कि सार्वजनिक जुलूसों और संवेदनशील इलाकों के आसपास बार-बार झगड़े होते हैं। इसके अलावा, हाल की अनेक घटनाओं के आधार पर हिंदू संगठनों से जुड़े हिंदू युवाओं और कार्यकर्ताओं पर हमलों, उन्हें डराने-धमकाने या काउंटर-केस में घसीटे जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा, यह निवेदन किसी भी जांच को पूर्वाग्रहित करने के उद्देश्य से नहीं है। इसका उद्देश्य रोके जा सकने वाले पैटर्न को बताने और राज्यों को अंदरूनी गड़बड़ी से बचाने के लिए केंद्र के संवैधानिक कर्तव्य (आर्टिकल 355) के तहत स्टैंडर्ड रोकथाम, जांच की निगरानी और प्रॉसिक्यूशन ट्रैकिंग का अनुरोध करने के लिए है।

बागलकोट की घटना का जिक्र करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा, 20 फरवरी को बागलकोट पुराने शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती शोभायात्रा के दौरान, जब यात्रा एक क्षेत्र से गुजर रही थी, तब पथराव की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई और गिरफ्तारियां कीं। जिला प्रशासन ने पुराने बागलकोट में 28 फरवरी तक निषेधाज्ञा बढ़ा दी, बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस जारी किए और चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती की। यह घटना दिखाती है कि इवेंट-रूट मैनेजमेंट, जरूरत पड़ने पर पहले से रोक लगाना और इंटेलिजेंस के आधार पर तनाव कम करने के लिए अधिक मानकीकरणऔर जवाबदेही की जरूरत है।

उन्होंने हिंदू संगठनों से जुड़े युवाओं और कार्यकर्ताओं को कथित रूप से निशाना बनाने और 'क्रॉस केस' की शिकायतों पर चिंता जताई। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया, तनाव की घटनाओं के साथ-साथ विशेष रूप से हिंदू संगठनों और पीड़ितों के परिवारों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि हिंदू संगठनों से जुड़े युवाओं को शारीरिक हमलों का निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें क्रॉस केस का सामना करना पड़ रहा है, भले ही वे पीड़ित होने का दावा करते हों।

बी. श्रीरामुलु ने उदाहरण के तौर पर सितंबर 2024 में मंडया में हुई हिंसा, मंगलुरु में सुहास शेट्टी की हत्या और कोप्पल में एक हिंदू युवक पर हमले की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने अनुरोध किया कि कर्नाटक गृह विभाग और डीजीपी के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय की रिव्यू मीटिंग बुलाई जाए, ताकि बार-बार होने वाली घटनाओं वाले जिलों, खुफिया तंत्र की विफलताओं और दंगा व लक्षित हत्या मामलों में अभियोजन का मूल्यांकन किया जा सके। एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर परामर्श जारी किया जाए, जिसमें जुलूस अनुमति, मार्ग निर्धारण, समय-सीमा और संवेदनशील स्थलों के निकट 'नो-गो' बफर क्षेत्र, संयुक्त शांति समिति की बैठक कार्यवाही और आयोजकों से लिखित आश्वासन और रीयल-टाइम तनाव नियंत्रण प्रोटोकॉल के साथ-साथ प्रिवेंटिव सिक्योरिटी मैपिंग और समय-समय पर रिव्यू हो।

सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान ही कुंजी है : राज्यपाल गहलोत

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। गुलबर्गा विश्वविद्यालय का 43वां दीक्षांत समारोह ज्ञान गंगा परिसर में स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन में अत्यंत गरिमामय तरीके से गुरुवार को आयोजित किया गया, जहां कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने स्नातक छात्रों को संबोधित किया और उन्हें उपाधियां और मानद डॉक्टरेट प्रदान कीं। अपने दीक्षांत भाषण में राज्यपाल ने कहा कि सफलता का मार्ग चुनौतियों से रहित नहीं होता। उन्होंने कहा, सफलता की राह में सैकड़ों कठिनाइयाँ आती हैं। परिस्थितियाँ बदल सकती हैं और बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों और कड़ी मेहनत की भावना से हर चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए ज्ञान के महत्व पर बल दिया और छात्रों को आश्वस्त किया कि शिक्षा व्यर्थ नहीं जाती।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली शिक्षा न केवल छात्रों को सफल करियर बनाने में सक्षम बनाएगी बल्कि उन्हें सार्थक जीवन जीने में भी मदद करेगी।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा, ज्ञान, संवेदनशीलता, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संचार करके चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्यपाल ने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्रों में गुलबर्गा विश्वविद्यालय द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।इस अवसर पर सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में उनके योगदान को मान्यता देते हुए तीन विशिष्ट हस्तियों को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई, जिनमें पूर्व मंत्री पीजीआर सिंधिया, पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी और सामाजिक कार्यकर्ता केदारलिंगैया हीरेमठ शामिल हैं।

समारोह के दौरान पुरस्कार विजेताओं की जीवन भर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। इनमें से 24 पदक स्नातक स्तर के शीर्ष छात्रों को और 148 पदक स्नातकोत्तर स्तर के शीर्ष छात्रों को दिए गए। इसके अतिरिक्त, नौ स्वर्ण पदकों को नकद पुरस्कार में परिवर्तित कर 19 छात्रों को प्रदान किया गया, जिनमें 14 छात्राएँ और पाँच छात्र शामिल थे।

'दपरे' की जेडआरयूसीसी की 25वीं बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) की क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) की 25वीं बैठक गुरुवार को चालुक्य इंस्टीट्यूट में हुई। बैठक की अध्यक्षता दक्षिण पश्चिम रेलवे के एडिशनल जनरल मैनेजर पी. अनंत ने की। इस बैठक में सभी रेलवे स्टेकहोल्डर्स के साथ बेहतर रिप्रेजेंटेशन और कंसल्टेशन पक्का करने के लिए बुलाई गई थी। पैसेंजर सुविधाओं, ट्रेन सर्विस और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जुड़े मुद्दों पर डिटेल में चर्चा की गई। एडिशनल जनरल मैनेजर पी. अनंत ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और ज़ोन की खास उपलब्धियों के बारे में बताया। अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान, 26 किलोमीटर डबलिंग शुरू की गई, जिसमें केराइड द्वारा किया गया 3.5 किलो शामिल है, और लिंगनाबंदी-कुश्तगी (9.9 किलो) और चिक्कमगलुरु-हादिहल्ली (9 किलो) नई लाइन सेक्शन के लिए ऑथराइजेशन मिले। इंजीनियरिंग का एक बड़ा माइलस्टोन कृष्णा नदी पर 805 मीटर लंबे पुल का चालू होना था। गदग-वाडी नई लाइन प्रोजेक्ट 56 किलो के तलकल-कुश्तगी सेक्शन के डेडिकेशन और कुश्तगी-हुब्बल्ली पैसेंजर सर्विस

शुरू होने के साथ आगे बढ़ा। बल्लारी-चिकजाजुर (3,078.86 करोड़) और तोरणगल्लू-रंजीतपुरा (445.69 करोड़) के लिए डबलिंग प्रोजेक्ट को भी मंज़ूरी दी गई।

चार ट्रैक्शन सबस्टेशन चालू किए गए और 207 ट्रैक किलोमीटर इलेक्ट्रिफाइड किए गए, जिससे कुल इलेक्ट्रिफाइड नेटवर्क 6,284 ट्रैक किलोमीटर (नेटवर्क का 947) हो गया। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में अब 163 जोड़ी ट्रेनें शामिल हैं। 48 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के शामिल होने से, फ्लीट की संख्या बढ़कर 326 हो गई, और 30 जोड़ी ट्रेनों को डीज़ल से इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदला गया, जिससे लगभग 39 करोड़ का फ्यूल बचा। अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान, सकल राजस्व 6,694.05 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल के मुकाबले 11.447 ज़्यादा है। यात्री राजस्व 2,196.09 करोड़ तक पहुंच गया, किराया राजस्व रिकॉर्ड 4,039 करोड़ तक पहुंच गया, अन्य राजस्व बढ़कर 167 करोड़ हो गया और पार्सल राजस्व रिकॉर्ड 129 करोड़ तक पहुंच गया।

मेल और एक्सप्रेस सर्विस में ऑपरेशनल पंक्चुएलिटी 90 प्रतिशत रही, जिससे ऑल-इंडिया लेवल पर चौथा रैंक मिला। ज़ोन ने 224 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें, 148 पैसेंजर ट्रेनें और 4 लीज़ पर ली गई झउएढ ट्रेनें चलाईं। 125 ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने से कुल 3,335 मिनट का समय बचा। 10 नई ट्रेनों के साथ पैसेंजर सर्विस को बढ़ाया गया, जिसमें 12 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस, 10 स्पेशल ट्रेनों का रेगुलराइज़ेशन, 16 ट्रेनों का एक्सटेंशन और 8 ट्रेनों को सुपरफास्ट कैटेगरी में अपग्रेड करना शामिल है।

त्योहारों की डिमांड को पूरा करने के लिए 481 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं और 614 एक्स्ट्रा कोच जोड़े गए। अलनावर-दांदेली सेक्शन को पैसेंजर मूवमेंट के लिए खोल दिया गया, जिससे दांदेली वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में टूरिज्म बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक को 2026-27 के रेलवे बजट में 7,748 करोड़ दिए गए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्षीय में यह 7,564 करोड़ था। रेलवे बजट 2026 में पूरे भारत में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का भी प्रस्ताव है, जिसमें हैदराबाद-बेंगलूरु और चेन्नई-बेंगलूरु कॉरिडोर शामिल हैं, जिनका मकसद यात्रा का समय कम करना, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को मजबूत करना और तेज, साफ ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना है।

सदस्यों को पैसेंजर सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और ट्रेन सर्विस से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर जानकारी दी गई, जिसमें एक्स्ट्रा स्टॉपेज, ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने और आरओबी, आरयूबी, लिफ्ट और एस्केलेटर बनाने की मांग शामिल है। बैठक में बेल्लारी के विधायक ई. तुकाराम, चिक्कोड़ी विधायक कुमारी प्रियंका जारकीहोली, हिरेकेरूर के विधायक यूबी बनकर के साथ जेडआरयूसीसी के सदस्य जी के. अडाप्पागौदर, के. बी. लिंगाराजू, पी. श्रीनिवास मूर्ति, देवानंद एस. नाइक भंडारी, महेंद्र एच. सिंघी, बाबूलाल जी. जैन, डॉ. लक्ष्मण एच., बसवराज के. एम., उमा रेड्डी, रविराज सागर, आर. सी. अंजिनप्पा, बी. एन. लक्ष्मीपति, चिदानंद देमाशेट्टी, विश्वनाथ पाटिल और उदय एम. रेवणकर शामिल थे।

निजी बसों की हड़ताल से लोग परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में निजी बस संचालकों की हड़ताल बृहस्पतिवार को तीसरे दिन भी जारी रही जिससे राज्यभर में परिवहन सेवाएं बुरी तरह से बाधित हुईं और हजारों लोग परेशान हुए। निजी बस संचालक उनकी बसों के खिलाफ परिवहन विभाग की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं और जब्त बसों को छोड़ने जैसी मांगें उठा रहे हैं। निजी बसों की हड़ताल का असर रोजाना आवागमन करने वाले लोगों के साथ साथ खाटू-श्यामजी मेले में जाने वाले भक्तों पर भी पड़ा है। इसके साथ ही उन लोगों का कार्यक्रम भी गड़बड़ा गया है जो होली पर अपने गांव जाना चाहते थे।

मिली जानकारी के अनुसार कर्नाटक, महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में काम करने वाले लोग त्योहारी सीजन में गांव नहीं लौट पा रहे हैं। बस संचालक त्योहारी सीजन के लिए कर रही 'अग्रिम बुकिंग' रद्द कर रहे हैं। निजी बस संचालकों का कहना है कि हड़ताल के कारण राज्य में लगभग 35,000 बसें सड़क पर नहीं उतरी। हालांकि इसमें लोक परिवहन योजना के तहत आने वाली बसें शामिल नहीं हैं।

संचालकों का दावा है कि रोजाना लगभग 15 लाख यात्री राजस्थान आने-जाने वाली बसों में सफर करते हैं जिनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और असम के यात्री शामिल हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन के लिए की गई 'अग्रिम बुकिंग' रद्द हो रही है। निजी बसों की इस हड़ताल के कारण राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की बसों में यात्रियों की भीड़ है और लोगों को सीट मिलना मुश्किल हो रहा है। इस हड़ताल से राज्य के जोधपुर, पाली, उदयपुर और नागौर जैसे जिलों के कर्नाटक और महाराष्ट्र में काम करने वाले लोग बहुत अधिक परेशान हैं। कई निजी बस संचालक इन राज्यों के लिए बसें चलाते हैं।जोधपुर में एक 'ट्रैवल एजेंट' ने कहा कि हड़ताल की वजह से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। 'प्राइवेट बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन' के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने कहा कि सरकार द्वारा मांगें माने जाने तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने दावा किया कि इस हड़ताल से न केवल बस संचालकों को बल्कि राज्य सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार सरकार को उनकी बसों से प्रति किलोमीटर लगभग पांच रुपये 'टोल रेवेन्यू' मिलता है।

एजेंट ने कहा कि इसके अलावा बसें नहीं चलने से राज्य के खजाने को डीजल पर वैट मद में राजस्व का नुकसान हो रहा है। निजी बसों की हड़ताल का मुद्दा बृहस्पतिवार को राजस्थान विधानसभा में भी उठा। निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह और कांग्रेस की विधायक शिखा मील बराला ने शून्य काल में यह मामला उठाया तथा सरकार से हस्तक्षेप की अपील की। विधायक चंद्रभान सिंह ने स्थगन प्रस्ताव पर कहा कि निजी बसों की हड़ताल से लाखों यात्री परेशान हो रहे हैं तथा राजस्थान में रोजगार एवं पर्यटन उद्योग प्रभावित है।

उन्होंने कहा कि खाटू-श्यामजी मंदिर जाने वाले यात्री भी परेशान हो रहे हैं, ऐसे में सरकार इस हड़ताल को जल्द खत्म करवाए। बराला ने कहा कि होली से पहले हड़ताल की वजह से आम लोगों को बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने कहा कि रोडवेज बसों में बहुत भीड़ है। बराला ने दावा किया कि हड़ताल की वजह से रोजी-रोटी के लिए इन बसों पर आश्रित करीब 3.5 लाख लोग बेरोजगार बैठे हैं और सरकार आंखें बंद कर बैठी है।

उन्होंने यह भी कहा कि सीकर जिले में चल रहे खाटू-श्यामजी मेले में जाने वाले लोगों को हड़ताल की वजह से परेशानी हो रही है और निजी टैक्सी संचालक बहुत ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने को कहा लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की हुई शादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना बृहस्पतिवार को उदयपुर के बाहरी इलाके में अरावली की खूबसूरत पहाड़ियों से घिरे एक होटल में परिणय सूत्र में बंध गये। तेलुगु परंपराओं के अनुसार सम्पन्न हुई शादी की रस्में 23 फरवरी से शुरू हुए तीन दिवसीय प्री-वेडिंग समारोह का समापन थीं। विवाह के बाद मेहमानों ने होटल के बाहर काजू बर्फी बांटी। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना 23 फरवरी को उदयपुर पहुंचे थे। अगले दो दिनों तक उनकी प्री-वेडिंग कार्यक्रम हुए।

इस दौरान होटल परिसर में एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच हुआ, जिसे वीरोश प्रीमियर लीग नाम दिया गया था। दोनों कलाकारों ने इन समारोहों की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं। बुधवार को विजय देवरकोंडा ने हल्दी की रस्म की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें गोलाकार पुष्प सज्जा, लकड़ी के छोटे स्टूल और रुशी तथा विजय लिखे प्लेकार्ड दिखाई दिए।

रश्मिका मंदाना ने भी तस्वीरें साझा कीं। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा सख्त रही और होटल में निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई।

रश्मिका ने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए घोषणा की थी कि इस विवाह को द वेडिंग ऑफ वीरोश कहा जाएगा। विजय देवरकोंडा तेलुगु सिनेमा में अर्जुन रेड्डी जैसी हिट फिल्म के लिए जाने जाते हैं, जबकि रश्मिका मंदाना गीता गोविंदम और पुष्पा: द राइज जैसी फिल्मों से लोकप्रिय हुईं। झीलों की नगरी उदयपुर महलों, विरासत होटलों के कारण हाई-प्रोफाइल शादियों का पसंदीदा स्थल बन गया है। हाल के वर्षों में यहां अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की शादी (2023) और अमेरिकी व्यवसायी रामराजु मंटेना की बेटी की शादी (2025) भी हुई थी।

राहुल गांधी के भाषणों को जनता गंभीरता से नहीं लेती : अर्जुन राम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के किसी भी बात, सोशल मीडिया पोस्ट या फिर भाषण, जनता को भरोसा नहीं है क्योंकि जनता राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि यह डील किसानों के हित में नहीं है। उन्होंने एक सभा में सरकार को चेतावनी दी है कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील को समाप्त कर दीजिए। राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट और भाषणों का जनता पर ज्यादा असर नहीं होता। उन्होंने लोकसभा में वही बयान दिया जो उन्होंने भोपाल में कार्यकर्ताओं के सामने दिया था और लोकसभा में बोलने के बाद वे तुरंत चले गए। नियम तोड़ना, अनुशासन का पालन न करना और यह मान लेना कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार के सदस्य ही सबसे जरूरी हैं, ये रवैया ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि संसद के भीतर राहुल गांधी के इशारे पर महिला कांग्रेस सांसद पीएम मोदी की कुर्सी घेरने के लिए पहुंचती हैं। लोकतंत्र में जनता के वोट तय करते हैं कि पीएम कौन बनेगा। राहुल गांधी ने इससे पहले भी एक बार प्रयास किया था, जिसमें वह पीएम की कुर्सी तक पहुंचे थे।

इजरायल में पीएम मोदी को 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' मेडल से सम्मानित किए जाने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पीकर ऑफ द केनेसट मेडल से सम्मानित किया जाना समस्त देशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का क्षण है। यह सम्मान भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा, सशक्त नेतृत्व, और विश्व मंच पर बढ़ती प्रभावशीलता का प्रतीक है।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मां भारती के अमर सपूत, प्रखर राष्ट्रवादी व महान विचारक स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! सामाजिक समरसता, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के महान ध्वजवाहक सावरकर का जीवन साहस और धैर्य का पर्याय है। उनके विचार भारत को परम वैभव पर ले जाने की शक्ति रखते हैं।

राजस्थान में हरित सार्वजनिक परिवहन की ऐतिहासिक शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को सुगम एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने लिए निरंतर कार्यरत है । इसी कड़ी में राजस्थान में स्वच्छ, आधुनिक एवं सतत शहरी परिवहन व्यवस्था को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए झच श-ईी ड्शुर के अंतर्गत प्रदेश के 08 प्रमुख शहरोंजयपुर , जोधपुर , उदयपुर , कोटा , बीकानेर , भीलवाड़ा , अलवर एवं अजमेर में कुल 675 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। शहरवार आवंटन के अनुसार जयपुर को 150, जोधपुर को 100, अजमेर को 100, कोटा को 100, बीकानेर को 75, अलवर को 50, भीलवाड़ा को 50 तथा उदयपुर को 50 ई-बसें प्राप्त होंगी। इन बसों के संचालन से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन बचत एवं शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

जयपुर में प्रथम चरण में प्राप्त होने वाली 150 ई-बसों के नियमित संचालन से पूर्व गुरुवार को 9 मीटर एवं 12 मीटर श्रेणी की बसों का ट्रायल प्रारंभ किया गया है, जो 28 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा। ट्रायल के लिए बस में मिट्टी से भरे कनस्तर एवं थैले रखे गए हैं । 9 मीटर ई-बस की बैठने की क्षमता 25 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक सहित है, जबकि 12 मीटर ई-बस में 31 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक के बैठने की व्यवस्था है।

ये बसें दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित हैं , जिससे समावेशी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ ही इन बसों में पैनिक बटन, पैसेन्जर डिस्प्ले बोर्ड, स्पीकर, ड्राईवर डिस्प्ले बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, ऑटोमैटिक पेसेन्जर काउन्ट कैमरा आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं ।

उल्लेखनीय है की इस संबंध में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड द्वारा चयनित फर्म के साथ 07 जुलाई 2025 को अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। अप्रैल 2026 से जयपुर में इन ई-बसों का नियमित संचालन प्रस्तावित है। संचालन हेतु आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण सफल संवेदक द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। ई-बसों के ट्रायल का तकनीकी परीक्षण गउढडङ एवं उठखढ की विशेषज्ञ टीमों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा, गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता के सभी मानकों की पुष्टि सुनिश्चित की जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मू 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरेंगी

जैसलमेर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजस्थान के अपने दौरे के तहत शुक्रवार को सुबह जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर, देश में बने हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरेगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू दौरे में अपने अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने से पहले एलसीएच 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' भारत का पहला देश में ही डिज़ाइन और बनाया गया लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अक्टूबर 2022 में जोधपुर वायु सेना स्टेशन पर वायुसेना को पहला 'प्रचंड' सौंपते समय इसमें उड़ान भरी थी। मिली जानकारी के अनुसार, अपने दौरे के तहत राष्ट्रपति शाम को भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में वायु सेना का 'वायु शक्ति' अभ्यास देखेंगी।

विद्यालय मैदान में खेलते समय नौ वर्षीय बच्ची की हृदयाघात से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले के एक निजी विद्यालय में नौ वर्षीय बच्ची की कथित तौर पर खेलते समय अचानक गिरने से मौत हो गयी। चिकित्सकों के मुताबिक मौत का कारण हृदय गति रुकना हो सकता है। यह घटना 23 फरवरी की सुबह गोटन कस्बे में हुई। विद्यालय के निदेशक रामकुंवार ओला ने बताया कि पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली दिव्या बापेडिया तालनपुर की रहने वाली थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह विद्यालय आई थी। उन्होंने बताया कि प्रार्थना होने में कुछ समय बचा था तथा इस दौरान दिव्या और कुछ बच्चे मैदान में खेल रहे थे। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर मैदान में गिर गई।

उन्होंने बताया कि विद्यालय कर्मचारी उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि मौत का कारण हृदय गति रुकना होने की आशंका है। घटना का सीसीटीवी फुटेज बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें दिव्या को गिरने से कुछ क्षण पहले खेलते हुए देखा जा सकता है। गोटन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सुखराम ने बताया कि बच्ची के शरीर पर कोई बाहरी चोट भी नहीं थी। प्रारंभिक जांच में हृदयाघात को ही मौत का संभावित कारण माना गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राम की महिमा राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर बढ़ा रहे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री यादव गुरुवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज की मौजूदगी में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि 'रा से राजस्थान' और 'म से मध्यप्रदेश' मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। हंसराम महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य और अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से हजारों असहायों को सहारा दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकारें जीवन मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और पर्यावरण पर एकजुट होकर काम कर रही हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि बच्चों को वेद-पुराण पढाएं, संस्कार दें, सेवा में लगाएं और धर्म की रक्षा करें। धर्म केवल पूजा नहीं, हमारी जीवन पद्धति है। सेवा से श्रीहरि मिलते हैं। भक्ति से मुक्ति मिलती है। इसलिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि समाज में एकता लाएंगे, युवाओं को अच्छे संस्कार देंगे और भारत को एक बार फिर विश्व गुरु बनाएंगे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ के माध्यम से उज्जैन को देशभर के साधु-संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। सनातन संस्कृति में हमारे बच्चे परिवार को अमरता प्रदान करते हैं। यत्र पिंडे-तत्र ब्रह्मांडे, जैसा हमारे पिंड में है वैसा ही ब्रह्मांड में है। संतों के माध्यम से करोड़ों साल से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रही है।

साधु-संतों के जरिए हमें देवताओं के दर्शन होते हैं। सनातन मंगल महोत्सव एवं संत समागम में तीन युवा संतों ईशानराम महाराज, केशवराम महाराज और सुमज्ञराम महाराज को सन्यास की दीक्षा दिलाई गई। मुख्यमंत्री यादव ने तीनों युवा संन्यासियों का माल्यार्पण एवं नमन करते हुए उनका अभिनंदन किया।

ज्ञान, नवाचार और संस्कार के समन्वय से ही 'विकसित भारत 2047' का निर्माण संभव : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान, नवाचार और संस्कार के समन्वय से ही 'विकसित भारत 2047' का निर्माण संभव है। देवनानी जयपुर स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में बृहस्पतिवार को राजस्थान विज्ञान महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर शुरू इस तीन दिवसीय महोत्सव के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी थे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार, विज्ञान भारती राजस्थान तथा मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा नवाचार से जुड़े युवाओं की सहभागिता रही। देवनानी ने कार्यक्रम की विषयवस्तु 'विज्ञान में महिलाएं, विकसित भारत के लिए प्रेरक शक्ति' पर विचार व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय सनातन परम्परा में नारी को सृजन और ज्ञान की मूल शक्ति माना गया है। उन्होंने प्राचीन विदुषियों जैसे गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वेदों के समय से ही महिलाएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की वाहक रही हैं। आधुनिक भारत में महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देवनानी ने कहा, अंतरिक्ष अनुसंधान, रक्षा प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में भारतीय बेटियों ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता स्थापित की है। अवसर और संसाधन मिलने पर वे देश की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास, नवाचार और मानवीय मूल्यों से जुड़ा जीवन दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, जब तक विज्ञान को संस्कार और मानवता से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

लठमार होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को मथुरा के नंदगांव में आयोजित लठमार होली उत्सव के दौरान लोग पारंपरिक अंदाज़ में होली खेलते हुए।

योगी ने की यामानाशी प्रांत के गवर्नर से मुलाकात, हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी पर समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

राज्य सरकार द्वारा लखनऊ में जारी बयान के मुताबिक इस समझौते के तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में आयोजित 'यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो' में प्रदेश की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश तथा यामानाशी के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश के उच्च प्रौद्योगिकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आदित्यनाथ ने कहा यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुद्ध शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में

महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी अगुवाई में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (सरकार से सरकार) और जी2बी (सरकार से व्यवसाय) स्तर की बैठकों में भाग लिया, जहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने 'रोबोटिक्स' को भविष्य की प्रमुख प्रौद्योगिकी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट में 'रोबोटिक्स' के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने की व्यवस्था की है। बयान के मुताबिक, बैठक के दौरान गवर्नर कोतारो नागासाकी ने जापान के 200 मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ अगस्त में उत्तर प्रदेश की यात्रा करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने इसका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा राज्य में औद्योगिक निवेश एवं साझेदारी को नई गति देगी।

शंकराचार्य का दावा : मैंने भी आशुतोष ब्रह्मचारी पर वाद दायर कराया

वाराणसी (उप्र)/भाषा। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि उन्होंने उनपर प्राथमिकी दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ भी पॉक्सो अदालत में वाद दायर कर दिया है। शंकराचार्य ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 के तहत आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत में वाद दायर किया है। उन्होंने कहा,''पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 में यह प्रावधान है कि अगर कोई आपके खिलाफ फर्जी मुकदमा करता है तो आप भी उसके खिलाफ वाद दायर कर सकते हैं।''

शंकराचार्य ने खुद पर लगे यौन शोषण के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि माघ मेले के दौरान वह सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिन लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है वे कभी उनके गुरुकुल में दाखिल तक नहीं हुए। अपने मठ में शीश महल और 'स्विमिंग पुल' होने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा, ''हमारा छोटा सा मठ है। उसमें 150 से 200 लोग कैसे रहते हैं। यह हम ही लोग जानते हैं। यहां कोई भी गुप्त स्थान, शीश महल अथवा स्विमिंग पुल नहीं है। जब हमारे गुरु जी यहां रहते थे तब उनको डॉक्टर ने व्यायाम करने के लिए कहा था, तब उनके लिए व्यवस्था बनाई गई थी और यह व्यवस्था अब बंद पड़ी हुई है।'' उन्होंने ने बुधवार को आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों का राज है, वे आरोप लगाते हैं और जांच को प्रभावित करते हैं। शंकराचार्य ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में फोन पर एक व्हाट्सएप ग्रुप दिखाया और आरोप लगाया कि इसे उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाले आशुतोष पांडेय उर्फ आशुतोष ब्रह्मचारी नाम के एक व्यक्ति ने बनाया है और उस ग्रुप में उनके खिलाफ मामले से जुड़ी जानकारी साझा की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आशुतोष ब्रह्मचारी ने जिन दो नाबालिग लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए उन पर मुकदमा दर्ज कराया है वे लंबे समय से आशुतोष के पास ही रह रहे हैं। शंकराचार्य ने दावा किया कि दोनों लड़कों के चिकित्सा परीक्षण में उनके साथ कथित दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। शंकराचार्य ने कहा,''अगर उन बच्चों के साथ कुछ भी गलत हुआ है, तो यह उनके साथ रहने वालों ने ही किया होगा। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं था। लेकिन अगर कोई कहानी बनाना चाहता है, तो वह कुछ भी बना सकता है।''

पुलिस ने जेएनयूएसयू की विरोध रैली को रोका, कई छात्र नेताओं को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के कई सदस्यों को बृहस्पतिवार दोपहर शिक्षा मंत्रालय की ओर एक विरोध मार्च निकालने की कोशिश करने के बाद हिरासत में ले लिया गया। यह जानकारी सूत्रों दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा, पूर्व जेएनयूएसयू अध्यक्ष नीतीश कुमार और कई अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, दिल्ली पुलिस ने हिरासत को लेकर तत्काल कोई पुष्टि

नहीं की। प्रदर्शनकारी छात्र बृहस्पतिवार दोपहर को परिसर में स्थित साबरमती टी प्वाइंट पर एकत्रित हुए और तख्तियां एवं बैनर लेकर समूहों में आगे बढ़ने लगे, जब उन्होंने रैली को परिसर से बाहर ले जाने का प्रयास किया, तो विश्वविद्यालय के गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। आयोजकों ने कहा कि मार्च का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में कथित ''संस्थागत उपेक्षा'' को उजागर करना था। सोमवार को जेएनयूएसयू के विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद जारी तनाव के मद्देनजर विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान जेएनयूएसयू और एबीवीपी के बीच पथराव और हाथापाई की घटनाएं हुईं। दिल्ली पुलिस ने इस घटना के संबंध में जेएनयूएसयू के पदाधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की है।

जेएनयूएसयू विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के कड़े अनुपालन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने इसके अलावा रोहित वेमुला अधिनियम बनाने, सार्वजनिक संस्थानों के लिए वित्त पोषण बढ़ाने और 16 फरवरी को एक पॉडकास्ट में कथित जाति टिप्पणी करने के कारण जेएनयू कुलपति के इस्तीफे की भी मांग की है।

जम्मू-कश्मीर को शीतकालीन खेलों के लिए 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मिलेगा : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुलमर्ग/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर में एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जाएगा और साथ ही घोषणा की कि 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों' के भविष्य के चरणों को 15 दिन तक बढ़ाया जाएगा।

मांडविया ने इस साल के खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के दूसरे चरण के समापन समारोह पर यहां इस इलाके को मुख्य वैश्विक शीतकालीन खेल हब बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। गुलमर्ग गोल्फ कोर्स में अपने भाषण के दौरान मांडविया ने कहा, ''कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। '' उन्होंने कहा, ''अब शीतकालीन खेल सिर्फ चार दिन तक सीमित नहीं रहेंगे। पर्यटन को जोड़कर हम 15 दिन लंबे शीतकालीन खेल आयोजित करेंगे जिसमें 'फिट इंडिया महोत्सव', सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा कई स्पर्धाएं शामिल होंगी। मैं गुलमर्ग में 15 दिन के महोत्सव के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'' मांडविया ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखने के लिए भारतीय सेना की टीम को बधाई दी जिसने 23 पदक जीते जिसमें नौ स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने विजेता के अलावा उप विजेता हिमाचल प्रदेश (तीन स्वर्ण, सात रजत और एक कांस्य पदक से 14 पदक) और तीसरे स्थान पर रही हरियाणा को भी ट्रॉफी प्रदान की।

कैग रिपोर्ट में पीएम आवास योजना की 'जियो-टैगिंग' में विसंगतियां उजागर : राजद विधायक

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में बृहस्पतिवार को पेश की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक कुमार सर्वजीत ने आरोप लगाया कि समस्तीपुर और दरभंगा जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक ही दिन में 'प्लिंथ' स्तर से लेकर छत की ढलाई तक का निर्माण दर्शाया गया है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में आवास निर्माण के विभिन्न चरणों की 'जियो-टैगिंग' में गंभीर विसंगतियां पाई गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'आवाससॉफ्ट' पोर्टल पर अपलोड की गई आवास निर्माण संबंधी तस्वीरों की लेखा-परीक्षा के दौरान नमूना जांच की गई। जांच में पाया गया कि 'पूर्ण आवासों' में से 10 मामलों में 'प्लिंथ' स्तर तक निर्माण दर्शाने वाली तस्वीरों के ठीक एक दिन बाद ही छत की ढलाई समेत पूर्ण निर्माण की तस्वीरें ली गईं और 'आवाससॉफ्ट' पर अपलोड कर दी गईं।

'एआई से नौकरियां जाने की आशंका निराधार, भारतीय आईटी कंपनियों के अवसर बढ़ेंगे'

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में नौकरियां जाने की आशंका को निराधार बताते हुए कहा कि नई प्रौद्योगिकी से भारतीय कंपनियों के लिए अवसर बढ़ेंगे।

गोयल ने यहां 'ईवाई' की तरफ से आयोजित एक पुरस्कार समारोह में कहा कि एआई के रोजगार पर पड़ने वाले नकारात्मक असर को लेकर वह 'थोड़ा भी चिंतित नहीं' हैं। उन्होंने एआई पर हो रहे व्यापक वैश्विक निवेश की तुलना वर्ष 2000 के 'वाई2के' दौर से की, जब यह आशंका जताई जा रही थी कि सदी बदलने पर कंप्यूटर काम करना बंद कर देंगे। उन्होंने कहा, वाई2के के समय भी ऐसी

आशंकाएं थीं कि सबकुछ ठप हो जाएगा। लेकिन एक जनवरी, 2000 के बाद भारतीय आईटी उद्योग ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैं एआई को भी वैसा ही निर्णायक मोड़ मानता हूं। वाणिज्य मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब 315 अरब डॉलर के भारतीय आईटी उद्योग और उससे जुड़े करीब 60 लाख रोजगार पर एआई के संभावित असर को लेकर गहरी चिंता जताई जा रही है। गोयल ने एआई को बेहतर भविष्य के लिए एक 'शक्तिशाली क्रांति' बताते हुए कहा, ''जितना अधिक हम प्रौद्योगिकी से जुड़ेंगे, उतनी ही मानव कौशल और प्रतिभा की जरूरत बढ़ेगी। इससे नए अवसर भी पैदा होंगे।'' उन्होंने कहा कि एआई से अधिक मुनाफा, बेहतर कामकाज और निर्यात के नए अवसर खुलेंगे, जिनका लाभ देश के 23 लाख विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और गणित (एसटीईएम) स्नातक उठा सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने हाल के वर्षों में हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में दो-तिहाई हिस्सेदारी रखने वाले 38 विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

तृणमूल ने मोदी के खुले पत्र का तीखी और व्यंग्यात्मक शैली में दिया जवाब

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के लोगों को लिखे गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खुले पत्र के जवाब में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बृहस्पतिवार को सधे हुए अंदाज में तीखी और व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिये उनके दावों और वादों का खंडन करके आगामी राज्यसभा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। प्रतिक्रिया देने के तहत 'बंगाल की जनता के सम्मुख मेरी स्पष्ट स्वीकारोक्ति' शीर्षक से लिखे गए एक पत्र में तृणमूल ने उसी शैली और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया जिसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री द्वारा अपने पत्र में किया गया था। यहां तक कि मूल पत्र की तर्ज पर तृणमूल द्वारा लिखे गए पत्र में पृष्ठ के निचले भाग में मोदी की तस्वीर का भी इस्तेमाल किया गया और लिखा गया है, ''वह पत्र जो नरेन्द्र मोदी आपको कभी नहीं भेजेंगे।''

प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को बंगाल की जनता से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक खुले पत्र के माध्यम से संपर्क साधा, जिसमें उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के वर्तमान शासन में राज्य के विभिन्न वर्गों के नागरिकों को जिस पीड़ा और विश्वासघात का सामना करना पड़ रहा है उससे वह मर्माहत हैं। उन्होंने मतदाताओं से 'सेवा करने का अवसर' देने की अपील की।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण मूल दस्तावेज गायब : उपमुख्यमंत्री सिन्हा

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के आधिकारिक अभिलेखों से कम से कम पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण मूल दस्तावेज हटा दिए गए हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। सिन्हा ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में भूखंडों के मूल मालिकों के नाम जानबूझकर बदले गए। उन्होंने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है। निहित स्वार्थ वाले व्यक्तियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से इन दस्तावेजों को अभिलेखों से हटाया गया या चोरी किया गया है। उपलब्ध सूचनाओं से भूमि माफिया और अधिकारियों की संलिप्तता का संकेत मिलता है। कम से कम पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण दस्तावेज अभिलेखों से गायब हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का प्रभार भी संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोषियों, जिनमें सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं, का पता लगाने के लिए विभाग ने अभियान शुरू किया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, कुछ क्षेत्रों में निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा जमीन के मूल मालिकों के नाम जानबूझकर बदल दिए गए। राज्य सरकार लापता दस्तावेजों को निश्चित रूप से बरामद करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जाएगा। प्रश्नकाल के दौरान जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक राहुल कुमार सिंह ने यह मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि उनके डुमरांव निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम 60 प्रतिशत भूमि के मूल मालिकों के नाम वर्ष 1989 में विभागीय अधिकारियों द्वारा जानबूझकर बदल दिए गए थे। सिंह ने कहा, ऐसी जमीन के मूल मालिकों को दस्तावेजों में सुधार कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह कैसे हुआ? मामले की जांच होनी चाहिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायकों ने भी सिंह के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में भी लोग इसी प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं।

इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, अधिकारियों को पहले ही निर्देश दिया जा चुका है कि सरकारी जमीन समेत किसी भी भूमि पर माफिया या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किसी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण नहीं होने दिया जाए। सिन्हा ने कहा कि विभाग राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के उन अधिकारियों की पहचान करेगा जो भूमि माफिया के साथ मिलीभगत में शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग 'गलत बात' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है।

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अनवेष-2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि ''प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं है'' को ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है।''

मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं।'' पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की, और सुझाव दिया कि अगर हर नेतृत्वकारी लोग 'एक-दो इन्फ्लूएंसर' को अपने साथ जोड़ लें, तो इस कहानी को बड़े पैमाने पर ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''अगर हम इस पर एक राष्ट्रीय अभियान शुरू करते हैं, तो हम इस चुनौती से निपट सकते हैं।''

व्यापार के बारे में, पासवान ने कहा कि भारत के 127 से ज़्यादा देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं और उन्होंने इस चिंता को खारिज कर दिया कि चल रही बातचीत में रियायतें दी जा रही हैं, और कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के साथ ''हमारी शर्तों पर'' समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी अंशधारकों से कहा कि वे क्षेत्र के विकास की ज़िम्मेदारी सरकार पर छोड़ने के बजाय उसे आपस में बांट लें।

अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को कृष्णानगर जिला अदालत को बम की धमकी मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया।

कटक में स्कूल बस का चालक दो छात्राओं से बलात्कार के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार

कटक (ओडिशा)/भाषा। कटक पुलिस ने एक निजी स्कूल की बस के चालक को दो छात्राओं से बलात्कार का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, चालक को छावनी थानाक्षेत्र में एक निजी स्कूल के विद्यार्थियों को लाने-ले जाने के लिए नियुक्त किया गया था और उसने कथित तौर पर मंगलवार को बस के अंदर दो छात्राओं से बलात्कार करने का प्रयास किया।

डिजिटल मंचों को ऑनलाइन सामग्री और बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल मंचों को अपनी सामग्री की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और कंटेंट निर्माताओं व समाचार संगठनों के साथ उचित राजस्व बंटवारे को सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि अगर कंटेंट निर्माताओं को उचित लाभ नहीं दिया जाता तो नवाचार प्रभावित होगा।

वैष्णव ने यहां 'डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन' (डीएनपीए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से निर्मित सामग्री के उपयोग को विनियमित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि ऐसी सामग्री का निर्माण उस व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए जिसका

चेहरा, आवाज या व्यक्तित्व इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मंचों को अपनी सामग्री की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, सभी नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा मंचों की जिम्मेदारी है। केंद्रीय मंत्री ने बौद्धिक संपदा का सम्मान करने व उचित मुआवजा पाने पर जोर दिया और कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला एवं साहित्य के क्षेत्र में समाज की प्रगति इसी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मंचों को न केवल समाचार संगठनों के साथ बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों में स्वतंत्र रचनाकारों, प्रभावशाली व्यक्तियों, प्रोफेसरों और शोधकर्ताओं के साथ भी उचित राजस्व साझाकरण सुनिश्चित करना चाहिए।

सुविचार

वक्त के साथ कदर,दर्द के साथ सफर और मौत के साथ कब्र अपने आप मिल जाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वस्थ संवाद से खोलें सही रास्ते

लखनऊ के एक बड़े कारोबारी मानवेंद्र प्रताप सिंह की हत्या कर शव को ड्रम में डाले जाने की घटना ने रिश्तों में घटती संवेदना को उजागर किया है। इस मामले में कारोबारी के 21 वर्षीय बेटे अक्षत प्रताप पर आरोप लगा है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मानवेंद्र और उनके बेटे के बीच पढ़ाई को लेकर विवाद बताया जा रहा है। पिता चाहते थे कि बेटा नीट पास कर डॉक्टर बने। इस सिलसिले में अक्षत ने नीट की कोचिंग की, लेकिन दो बार परीक्षा देने के बाद भी कामयाबी नहीं मिली। अक्षत ने लखनऊ के एक मशहूर स्कूल से पढ़ाई की थी। किसने सोचा होगा कि एक दिन पिता-पुत्र का रिश्ता यह मोड़ ले लेगा? जीवन में पढ़ाई, पेशा और पैसा जरूरी हैं, लेकिन इनका इतना ज्यादा महिमामंडन भी नहीं करना चाहिए कि लोग इन्हें ही सबकुछ समझने लगें। साथ ही, पढ़ाई में मन को शांत रखने, क्रोध को नियंत्रित करने के तौर-तरीके सिखाने की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब किशोरों और युवाओं ने बहुत गंभीर अपराधों को अंजाम दिया। याद करें, श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड में आरोपी ने किस तरह शव के टुकड़े कर उन्हें जंगल में फेंका था! अक्षत पर भी अपने पिता के शव के टुकड़े कर उन्हें प्लास्टिक बैग में पैक करने और कुछ हिस्सों को नीले ड्रम में डालने का आरोप है। सोशल मीडिया पर काफी तादाद में ऐसी सामग्री मौजूद है, जिसे पढ़ने-सुनने के बाद कई युवाओं का झुकाव अपराध की ओर हो सकता है। वे उन्हें ऐसा कृत्य करने के लिए तौर-तरीके सिखा रही हैं।

आज कई घरों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर झगड़े हो रहे हैं। वहां माता-पिता का सपना होता है कि उनके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर बनें या सरकारी नौकरी करें। चूंकि उन्होंने अपने ज़माने में ये ही विकल्प सुने थे, इसलिए बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी कर्मचारी बनाना चाहते हैं। कई मामलों में माता-पिता या घर के किसी सदस्य का 'सपना' बड़ी भूमिका निभाता है। वे अपने जीवन में कुछ बनना चाहते थे, लेकिन किसी कारणवश नहीं बन पाए। अब चाहते हैं कि उनके बच्चे वह सपना पूरा करें। वे उन पर दबाव डालते हैं। जब बच्चे ऐसा नहीं कर पाते तो घर में कलह का वातावरण बनता है और रिश्ते बिगड़ते हैं। लोगों की शक्ति और सामर्थ्य में भिन्नता होती है। इसे समझना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी कर्मचारी नहीं बना तो इसका यह मतलब नहीं कि वह कुछ नहीं कर सकता है। वह किसी और क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इस संबंध में परिवार में खुलकर बात होनी चाहिए। एआई के कारण रोजगार के क्षेत्र में बड़े बदलाव होंगे। आगामी एक दशक में कुछ ऐसे नाम उभरकर सामने आएंगे, जिनके बारे में लोगों ने कम ही सुना होगा। भविष्य में रोजगार के लिए किस क्षेत्र को चुनें? इस पर घर में झगड़ा करने के बजाय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना बेहतर और सुरक्षित होता है। अगर मानवेंद्र अपने बेटे को किसी विशेषज्ञ के पास लेकर जाते, उससे मार्गदर्शन लेते तो पिता-पुत्र के रिश्ते नहीं बिगड़ते। स्वस्थ संवाद से ही सही रास्ते खुलते हैं। जब परिवार में तालमेल बिगड़ जाता है तो उसके नतीजे तकलीफदेह निकलते हैं। राजस्थान के एक मशहूर डॉक्टर के परिवार में ऐसी ही समस्या थी। वे स्वयं बहुत मेहनत कर डॉक्टर बने थे। बड़ी मुश्किलों का सामना कर अपना अस्पताल बनाया था। उनकी इच्छा थी कि दोनों बेटे डॉक्टर बनें। वहीं, बेटे तकनीकी क्षेत्र में जाना चाहते थे। इससे घर का माहौल खराब हो रहा था। एक दिन डॉक्टर ने किसी विशेषज्ञ से संपर्क किया, जिनकी सलाह के बाद उन्होंने बेटों को भविष्य में अस्पताल से जुड़े तकनीकी मामलों की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया। इससे घर का माहौल ठीक हो गया और पिता-पुत्रों के रिश्ते फिर से मधुर हो गए।

ट्वीटर टॉक

माँ भारती की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति सदैव हमें देशसेवा के पथ पर प्रेरित करते रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

आज बीकानेर में महान स्वतंत्रता सेनानी श्री स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण कर उपस्थित गणमान्यजनों को संबोधित कर राष्ट्र निर्माण में सामूहिक सहभागिता का आह्वान किया।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रदेश की सरकार हनुमानगढ़ सहित राज्य के सभी पर्यटन संभावनाओं वाले क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यटन अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

गुरुकृपा से तानसेन

एक बार वृन्दावन के महान संगीतकार संन्यासी स्वामी हरिदास जी अपनी शिष्य-मंडली के साथ ग्वालियर के बेहट गांव के इमली के बाग़ में होकर गुज़र रहे थे। उसी समय बालक 'तन्ना' ने एक पेड़ की आड़ में छिपकर शेर जैसी दहाड़ लगाई। डर के मारे सब लोगों के दम फूल गए। स्वामी जी को उस स्थान पर शेर के रहने का विश्वास नहीं हुआ और उन्होंने तुरंत खोज की। उन्होंने बालक को दहाड़ते हुए पाया। बालक के इस क़ौतुक पर स्वामी जी बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने जब अन्य पशु-पक्षियों की आवाज़ें भी बालक से सुनीं, तो वे मुग्ध हो गए और उसके पिताजी से बालक को संगीत-शिक्षा देने के लिए मांगकर अपने साथ वृन्दावन ले आए। गुरु की कृपा से दस वर्षों की अवधि में ही बालक तन्ना एक धुरंधर गायक बन गया और यहीं से उसका नाम 'तन्ना' की बजाय 'तानसेन' पड़ गया।

सामयिक

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

नजरिया

संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरम : परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

सन 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं।

कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं।

भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है। इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं।

आगरा स्वयं भी अपने आप में इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। जब ताजमहल की श्वेत आभा सूर्यास्त की सुनहरी किरणों में घुलती है और पृष्ठभूमि में किसी शास्त्रीय राग की अंतिम तान गूंजती है, तब ताज महोत्सव केवल एक दस दिवसीय कार्यक्रम मात्र नहीं रह जाता बल्कि भारतीय संस्कृति का एक ऐसा जीवंत और प्राणवान उत्सव बन जाता है, जहां इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और परंपराएं आधुनिकता का हाथ थामकर भविष्य की सुनहरी राह पर चल पड़ती हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की उस चिरंतन आत्मा का उत्सव है, जिसकी गूंज सात समंदर पार तक हमारी विरासत की गौरवगाथा सुनाती रहती है और हर वर्ष हमें अपनी भव्यता पर गर्व करने का एक नया कारण दे जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली

पटना के पटना विमेंस कॉलेज में स्टूडेंट्स एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली मनाते हुए।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस, एस26 मॉडल पेश

सैन फ्रांसिस्को/भाषा। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन 'एस26' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है।

कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपए की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

पुल्लन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, हम अब एआई फीचर को शुरुआती स्तर के मॉडल तक लेकर आ रहे हैं और इसी तरह हम पूरे स्मार्टफोन बाजार का विस्तार करेंगे।

किफायती फोन में एआई फीचर देने से कंपनी के मुनाफे और लागत पर पड़ने वाले असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी का मुख्य ध्यान उपभोक्ताओं को अधिक मूल्य देने पर है। इसके लिए सैमसंग विभिन्न प्रौद्योगिकी मंचों एवं साझेदार कंपनियों के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, सैमसंग कई मंचों के साथ साझेदारी करती है और उनसे बेहतरीन प्रौद्योगिकी हासिल करती है, ताकि हम शुरुआती स्तर वाले फोन सहित सभी मॉडल में ग्राहकों को बेहतर अनुभव दे सकें।

एआई फीचर से फोन रोजमर्रा के काम आसान कर सकता है जैसे बेहतर फोटो एडिटिंग, कॉल और मैसेज का स्मार्ट सारांश, भाषा अनुवाद, वॉयस कमांड से काम और बैटरी प्रबंधन। अब ये सुविधाएं सिर्फ महंगे फोन तक सीमित नहीं रहेंगी।

सलीम खान की सेहत में सुधार हो रहा है : खान

मुंबई/भाषा। फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा कि वह दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान के परिवार के संपर्क में हैं और परिजनों ने उन्हें बताया कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। सलीम खान के बेटे सलमान खान के करीबी दोस्त आमिर ने बताया कि वह हाल में 90 वर्षीय लेखक से मिलने लीलावती अस्पताल गए थे, लेकिन आईसीयू में भर्ती होने के कारण उनसे मिल नहीं पाए। आमिर (60) ने कहा कि उन्हें सलमान की बहन अलवीरा अग्निहोत्री से नियमित रूप से जानकारी मिल रही है। आमिर ने बुधवार शाम को संवाददाताओं से कहा, मैं सलीम साहब से मिलने गया था और हम सब उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। चूंकि वह आईसीयू में हैं इसलिए मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाया लेकिन मैं परिवार से मिला। उन्होंने कहा, अलवीरा (सलमान की बहन) मुझे हर रोज बताती हैं कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। हम सब प्रार्थना कर रहे हैं कि वह जल्द घर लौट आएं और पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं।

सलीम खान को जावेद अख्तर के साथ उनकी मशहूर लेखक जोड़ी के लिए जाना जाता है। सलीम-जावेद के नाम से मशहूर इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे लोकप्रिय फिल्मों की पटकथा लिखी, जिनमें 'शोले', 'दीवार', 'जंजीर' और 'डॉन' शामिल हैं। सलीम खान को मंगलवार को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

सलीम खान का इलाज कर रहे चिकित्सकों के समूह में शामिल डॉ. जलील डी पारकर ने पिछले सप्ताह बताया कि सलीम खान को मस्तिष्क में रक्तस्राव हुआ था, जिसका इलाज किया जा चुका है और एहतियात के तौर पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है और उनकी हालत स्थिर है। उसके बाद से चिकित्सकों ने परिवार की निजता बनाए रखने के लिए सलीम खान के स्वास्थ्य के बारे में कोई बयान देने से परहेज किया है।

निशान यात्रा

पटना में गुरुवार को महिलाओं का एक ग्रुप श्याम महोत्सव और निशान यात्रा में हिस्सा लेते हुए।

'द केरल स्टोरी 2' के खिलाफ दायर याचिकाएं विचारणीय नहीं हैं: निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय से कहा

कोच्चि/भाषा

'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' के निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय को बताया है कि फिल्म की रिलीज का विरोध करने संबंधी याचिकाएं ''समय से पहले दायर की गईं, गलत धारणा पर आधारित हैं और विचारणीय नहीं हैं।'' फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने मंगलवार को उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में यह बात कही। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस ने कहा कि वह अपराह्न में मामलों की विस्तृत सुनवाई करेंगे। शाह ने अपने हलफनामे में दावा किया है कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत गठित सेंसर बोर्ड 'सीबीएफसी' ही एकमात्र विशेषज्ञ प्राधिकरण था, जिसे फिल्मों की संपूर्ण पड़ताल करने और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित करने का अधिकार है। उन्होंने अपने हलफनामे में कहा है, ''इस न्यायालय का पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार किसी फिल्म की विषयवस्तु के संबंध में प्रमाणन प्राधिकारी के निर्णय के स्थान पर अपना स्वयं का मूल्यांकन थोपने तक विस्तारित नहीं होता है।'' उन्होंने फिल्म के खिलाफ दायर याचिकाओं में लगे आरोपों का भी खंडन किया है और इन्हें ''कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग'' बताया है।

निर्माता ने कहा है कि याचिका दायर करने से 16 दिन पहले फिल्म के टीजर जारी किए गए थे। उन्होंने कहा है कि किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर केवल दो मिनट के टीजर के आधार पर और पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा है कि पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना, सीबीएफसी के फैसले में किसी भी कानूनी खामी का प्रथमदृष्टया पता लगाये बिना, और केवल एक टीजर के आधार पर प्रतिबंध लगाना ''प्रतिवादी (निर्माता), हजारों प्रदर्शकों और देशभर के वितरण भागीदारों को जबरदस्त आर्थिक नुकसान पहुंचाएगा''। विपुल अमृतलाल शाह ने दावा किया '' यह फिल्म भारत के साथ-साथ विदेशों में भी 1,800 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।''

फिल्म के शीर्षक के बारे में उन्होंने कहा है कि फिल्म के नाम में जो 'गोज़ बियॉन्ड' शब्द जोड़ा गया है, वह सिर्फ शीर्षक को ''आकर्षक बनाने के लिए नहीं'' है, बल्कि इसका वास्तविक महत्व और उद्देश्य है। हफलनामे में दावा किया गया है कि ऐसा जानबूझकर किया गया है, जिसे टीजर में कई बिंदुओं पर प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया गया है, जो यह दर्शाता है कि फिल्म की कथा केवल केरल तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भीड़ की हिंसा या विरोध प्रदर्शन से सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो इसे रोकने के लिए कदम उठाना सरकार का कर्तव्य है और इसके परिणामस्वरूप किसी फिल्म की रिलीज को रोका नहीं जा सकता।

हलफनामे में कहा गया है, ''ऐसी स्थिति जिसमें कोई भी व्यक्ति या समूह केवल अव्यवस्था की धमकी देकर किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर प्रभावी रूप से रोक लगा सकता है, तो सीबीएफसी प्रमाणन प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी दोनों ही का कोई मतलब नहीं रह जायेगा।''अदालत ने मंगलवार को मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि फिल्म के टीजर और ट्रेलर में केरल जैसे राज्य को गलत तरीके से दर्शाया गया है, जबकि यह ऐसा राज्य है जहां हर कोई सांप्रदायिक सद्भाव के साथ रहता है।

नैनीताल से उर्वशी रौतेला का खास जुड़ाव

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हमेशा अपनी एक्टिंग और ग्लैमर के लिए सुर्खियां बटोरी हैं। बॉलीवुड हो या साउथ सिनेमा, उन्होंने अपने स्टाइल, परफॉर्मेंस और एनर्जी से अलग पहचान बनाई है। उन्हें जितना एक्टिंग और डांस से प्यार है, उतना ही प्यार उन्हें ट्रैवलिंग से है। वह ट्रैवल करती रहती हैं। उनकी सबसे पसंदीदा जगह नैनीताल है। इस जगह से उनका गहरा नाता भी है। उर्वशी रौतेला का जन्म 25 फरवरी 1994 को उत्तर प्रदेश के भरतपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें कला और अभिनय का शौक था। उन्होंने स्कूल और कॉलेज के समय से ही कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उनके परिवार ने हमेशा उनके उत्साह और जुनून को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपनी शुरुआत मॉडलिंग से की, साथ ही कई विभिन्न ब्यूटी पेजेंट्स में भी हिस्सा लिया। 2012 में उन्हें

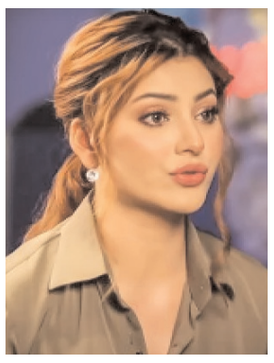

फेमिना मिस इंडिया एंटरटेनमेंट क्वीन का खिताब भी मिला। यह उनके करियर का पहला बड़ा मोड़ था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्मों में काम करना शुरू किया। उर्वशी ने कई बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल 2013 में 'सिंह साहब द ग्रेट' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद 'सनम रे' (2016), 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' (2016), 'हेट स्टोरी 4' (2018), 'पागलपंती' (2019) और 'वर्जिन भानुप्रिया' (2020) जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। इसके बाद उन्होंने 'डाकू महाराज', 'सिंगल' और कई अन्य फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने और स्टाइलिश अंदाज भी लोगों में खूब पसंद किए गए। फिल्मों के साथ-साथ उर्वशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी सफलता और अनुभव फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। नैनीताल को लेकर उन्होंने एक पोस्ट साझा किया था और इस जगह से अपने खास जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि नैनीताल उनके लिए सिर्फ छुट्टियों की जगह नहीं, बल्कि उनकी बचपन की यादों का हिस्सा है। यह उनका ननिहाल है। जब भी वह यहां आती हैं, तो झील में नाव की सवारी, तिब्बती बाजार और मालरोड की सैर जरूर करती हैं। इसके साथ ही, वह नैना देवी मंदिर भी जाती हैं।

खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो : भाग्यश्री

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भाग्यश्री अपनी शानदार अदाकारी और सकारात्मक सोच के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जिंदगी को खुलकर जीने की सलाह दी। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन लिखा, जिंदगी के आसान फंडे खुशी में वादे न करो, दुख में फैसला न करो, गुस्से में जवाब न दो और किसी के दर्द का कारण न बनो। ये जीवन को सही तरीके से जीने के लिए कुछ आसान उसूल हैं। उन्होंने लिखा, जिंदगी के आसान सूत्र। कभी-कभी सबसे सरल चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं, जब हम जरूरत से ज्यादा करने की कोशिश करते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि किसी काम को तभी करें जब हमारा मन शांत और संतुलित हो।भाग्यश्री सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट कर सकारात्मकता फैलाती हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो के माध्यम से समझाया है कि जीवन में असली खुशी और मजबूती अंदर के विचारों से आती हैं, न की बाहरी दिखावे से।फैंस उनके पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही, उनके इस मैसेज से अपनी सहमति जाहिर कर रहे हैं।भाग्यश्री ने भले ही

फिल्मों में कम काम किया हो, लेकिन अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। पहली फिल्म मैंने प्यार किया में काम कर उन्होंने अपनी सादगी से दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह फिल्म की रिलीज के बाद रातों रात स्टार बन गई थीं। हालांकि इससे पहले वे टीवी सीरियल 'कच्ची धूप' में नजर आ चुकी थीं। आगे चलकर उन्होंने हिमालय दासानी से शादी की थी और परिवार को प्राथमिकता देते हुए सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। भाग्यश्री ने हमेशा अपनी शर्तों पर काम किया है। अब वह 'थलाइवी', 'राधे श्याम' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के साथ सक्रिय हैं।

मीटू आंदोलन से कुछ बदलाव जरूर आए हैं, लेकिन कई आरोपी आज भी फल-फूल रहे : कोंकणा

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा का मानना है कि मीटू आंदोलन से कुछ सकारात्मक बदलाव जरूर आए हैं, लेकिन इसके बावजूद कई आरोपी आज भी फल-फूल रहे हैं।अपनी आने वाली फिल्म 'एक्यूज्ड' में कोंकणा ब्रिटेन की एक चिकित्सक की भूमिका निभा रही हैं, जिस पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगते हैं।अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रतिभा रान्ता भी अहम भूमिका में हैं। कहानी एक समलैंगिक विवाहित जोड़े के जीवन पर आधारित है, जिसकी जिंदगी एक आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। कोंकणा ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट ने फिल्म उद्योग में हुए उत्पीड़न को उजागर किया और यह रिपोर्ट मीटू आंदोलन की बड़ी उपलब्धि रही, लेकिन कई आरोपियों को कोई ठोस सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। यह वह वास्तविकता है जिसे हम सभी जानते हैं, हम उन लोगों को जानते हैं जिन पर आरोप लगाए गए हैं, हम उनमें से कई लोगों को फलते-फूलते देख सकते हैं। दरअसल, बहुत कुछ हम पर, हम सभी पर एक समाज के रूप में निर्भर करता है, कि हम किसके साथ काम करना चाहते हैं, हम किसका काम देखना चाहते हैं, और हम इन लोगों को कितने अवसर देते हैं।

कश्यप ने बताया कि उन्होंने भारत में आंदोलन से जुड़े कुछ प्रमुख लोगों को भी फिल्म दिखाई, ताकि उनकी प्रतिक्रिया और फिल्म के बारे में उनकी राय जान सकें। अब उन्हें उम्मीद है कि फिल्म उस उद्देश्य को आगे बढ़ाएगी जिसे आंदोलन ने शुरू किया था। कश्यप ने कहा, उनमें से अधिकतर को फिल्म पसंद आई, उन्होंने इसकी सराहना की, लेकिन उनके लिए इसे देखना बहुत मुश्किल था क्योंकि फिल्म में कुछ अच्छा दिखाया गया है। उम्मीद है, इस फिल्म से और भी लोगों

को आंदोलन को जारी रखने का साहस मिलेगा। निर्देशक ने कहा कि मीटू आंदोलन द्वारा लाया गया सबसे महत्वपूर्ण बदलाव आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) का गठन और फिल्म सेट पर बेहतर बुनियादी ढांचा था।

कश्यप ने कहा, इनमें से कुछ उपायों के लागू होने से कुछ अच्छा हुआ है। कुछ लोगों ने बार-बार अपनी कहानियाँ सुनाने का साहस जुटाया है, जो बहुत मुश्किल होता है। यह अच्छी बात है। दुर्भाग्य से, आंदोलन थोड़ा धीमा पड़ गया। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह आगे बढ़ेगा। लापता लेडीज़ और हीरामंडी में अपनी भूमिकाओं से प्रसिद्धि पाने वाली रान्ता ने पीड़ितों के अपनी कहानियां साझा करने के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा, जब आपके साथ कुछ बुरा होता है, तो खुलकर सामने आना बहुत बड़ी बात होती है और ऐसे कई संगठन हैं जिन्होंने लोगों को खुलकर सामने आने और अपने अनुभवों को साझा करने में मदद की है, जो अच्छी बात है। कश्यप ने बताया कि धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित उनकी फिल्म की खासियत यह है कि इसमें आरोपी एक महिला है। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'यादव जी की लव स्टोरी' के विरोध में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने किया सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली/एजेन्सी

प्रगति तिवारी, विशाल मोहन, अंकित बढ़ाना और सुखविंदर विक्की स्टारर फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर सुप्रीम कोर्ट में फिल्म के टाइटल और रिलीज पर रोक की मांग को लेकर याचिका दर्ज कराई गई थी। अब कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, और कोर्ट का कहना है कि फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में फिल्म के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि टाइटल के कुछ भी ऐसा विवादित नहीं है, जैसा 'घूसखोर पंडत' में था। ये मामला घूसखोर पंडत से अलग है। फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि किसी फिल्म का टाइटल मात्र इसलिए असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता कि उससे किसी समुदाय की छवि खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फिल्म के रिलीज पर लटकी तलवार अब उतर चुकी है। फिल्म 27 फरवरी को यानी 2 दिन बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टाइटल में यादव जी और ट्रेलर में यादव समुदाय की लड़की का एक विशेष वर्ग के व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध की वजह से फिल्म का विरोध हो रहा है। यूपी के कई हिस्सों में फिल्म के विरोध में नारेबाजी की गई और फिल्म के पोस्टर भी जलाए गए थे। यादव समुदाय का कहना है कि टाइटल और फिल्म की कहानी के जरिए यादव समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी फिल्म के बैन की मांग उठ रही है और फिल्म के लीड किरदारों को भी टारगेट किया गया। फिल्म में लीड रोल प्ले कर रही प्रगति तिवारी ने भी फिल्म को लेकर सफाई पेश की थी कि फिल्म में ऐसा कुछ नहीं है, जो किसी समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचाए। हालांकि अब कोर्ट के फैसले से साफ है कि फिल्म में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट देते हुए रिलीज का आदेश पहले भी दे दिया था।

समीरा रेड्डी ने बताई अरबी की खास रेसिपी, हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री समीरा रेड्डी स्वस्थ जीवनशैली को बहुत महत्व देती हैं। वे न सिर्फ हेल्दी खान-पान की सलाह देती हैं बल्कि नियमित व्यायाम करने के लिए भी जोर देती हैं। समीरा अक्सर हेल्दी फूड की क्रिएटिव रेसिपी शेयर करती रहती हैं ताकि लोग हेल्दी फूड का मजा ले सकें। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अरबी की स्वादिष्ट रेसिपी बताई है। साथ ही, इसके खाने के अद्भुत फायदे भी समझाए हैं। उन्होंने बताया, अगर आपको बार-बार थकान, अच्छा खाने की इच्छा और दिन भर हार्मोन का उतार-चढ़ाव होता है, अरबी फ्राई आपको लगातार ऊर्जा देगी। यह पाचन सुधारने और महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है। इसे सिर्फ डाइट फूड नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार समझें।

अभिनेत्री ने इसे बनाने की आसान रेसिपी बताई। उन्होंने लिखा, इसे बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आप लंबी अरबी छिलके सहित, किनारे काटकर

उसे गुड़ और नमक वाले पानी में नरम होने तक 10 मिनट तक उबाल लें। अब कड़ाही में तेल गरम करें। राई डालें, जब ये चटकने लगे तो जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालें। इसके बाद प्याज और टमाटर डालकर नरम होने तक पकाएं। फिर हल्दी डालें। उबली हुई अरबी और नमक डालें। 5-7 मिनट तक हल्का कुरकुरा होने तक पकाएं।

ऊपर से हरा धनिया डालकर गरम-गरम परोसें।उन्होंने आगे लिखा, कच्ची अरबी खाने से गले में खुजली या जलन होती है क्योंकि इसमें कैल्शियम-ऑक्सलेट के छोटे कण होते हैं। अगर आप इसे अच्छे से पकाते या उबालते हैं, तो यह असर खत्म हो जाता है और यह खाने के लिए फायदेमंद भी होती है। समीरा ने इसके फायदे भी बताए। उन्होंने लिखा, यह शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देती है, इसलिए बार-बार भूख नहीं लगती। पेट की सूजन कम होती है और पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। इसमें हल्की मात्रा में आयरन होता है, जो खून की कमी दूर करने में मदद करता है। यह सूजन (इन्फ्लेमेशन) को कम करने में कारगर होता है, खासकर पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और थकान में बहुत फायदेमंद है।

चार युवा शोधकर्ताओं को उनके अभूतपूर्व शोध के लिए किया सम्मानित

कर्नाटक सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 के अवसर पर 'विज्ञान में महिलाएं विकसित भारत को उत्प्रेरित' विषय के अनुरूप कर्नाटक के ग्रामीण, आदिवासी और हाशिए पर स्थित समुदायों की चार हाईस्कूल छात्राओं को हरित रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व शोध के लिए कर्नाटक सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन हाई स्कूल की छात्राओं को दिया गया जिन्होंने कम संसाधनों वाले ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमि से आकर अपनी प्रतिभा के बलबूते पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध में भाग लिया है और योगदान दिया है। इस मौके पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसेराजू, उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष एएस. किरण कुमार उपस्थित थे।

सम्मानित चार युवा छात्राओं में एचडी कोटे होसाहल्ली कर ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा रेशमा जेवी, कग्गलीपुरा गाँव की दसवीं कक्षा की लक्ष्मी जी., बीदर की ग्यारहवीं कक्षा की किरत कौर, होसादोड्डी गाँव की ग्यारहवीं कक्षा की एस. यामिनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अनुसंधान में अपने योगदान से विशिष्टता हासिल की है। इन सभी छात्राओं के माता-पिता गृहिणी, दिहाड़ी मजदूर, विक्रेता और गृहिणी के रूप में काम करते हैं, और जिनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि अक्सर दसवीं या बारहवीं कक्षा तक ही सीमित होती है, इनमें से कुछ पहली पीढ़ी की शिक्षार्थी हैं। उन्होंने तमाम बाधाओं को पार करते हुए एक ऐसे क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जो उनकी परिस्थितियों में विद्यार्थियों के लिए शायद ही सुलभ होता है।

'एज विद ग्रेस' कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सीखे त्वचा देखभाल के गुर

जीतो नॉर्थ लेडीज विंग ने आयोजित किया कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा 'एज विद ग्रेस' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को राजाजीनगर में आयोजित किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य ट्रेनर के रूप में उपस्थित डॉ. दीपा गौड़ा उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को आत्मविश्वास और शालीनता के साथ अपनाने की मूल्यवान जानकारी साझा की। दो बैचों में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने स्किनकेयर के नवीनतम रहस्यों, हेयर केयर टिप्स तथा वेलनेस के बारे में जाना। डॉ. गौड़ा ने त्वचा एवं बालों की वैज्ञानिक समझ, एंटी-एजिंग की अवधारणा, पेरिमेनोपॉज़ल एवं मेनोपॉज़ल परिवर्तनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। संचालन सहमंत्री एवं संयोजिका मीना बडेरा ने किया, जबकि सहसंयोजिका पवन रांका ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष निशा सामर, मधु डोशी, अपेक्स हाउसहोल्ड मॉडल की संयोजिका बिंदु रायसोनी, वरिष्ठ मार्गदर्शक सरिता खिवेसरा, रेशमा पुनमिया एवं मधु कटारिया की उपस्थिति थीं। समापन अवसर पर महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में आगामी 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाली कार रैली की जानकारी देते दी। रैली की संयोजिका संगीता नागौरी एवं सहसंयोजिका साधना धोका ने जानकारी दी। बिंदु नाहर ने 25 मार्च को आयोजित दुबई आबुधावी यात्रा की जानकारी दी।

श्याम मंदिर तक कल निकलेगी निशान यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फाल्गुन और खाटू श्याम बाबा के मेले के अवसर पर शनिवार को शहर के बर्बरीक भक्त मण्डल के तत्वावधान में निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के प्रमुख सदस्य पंडित दीपक शर्मा ने बताया कि प्रथम बार आयोजित होने वाली निशान शनिवार को सुबह 7.30 बजे बन्नरघट्टा रोड स्थित मुकाम्बिका देवी मंदिर में निशान पूजन के

पश्चात शुरू होगी। श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए फूलों की होली खेलते और बाबा के भजनों पर झूमते हुए खाटू मंदिर पहुंचकर निशान अर्पण करेंगे।

जीतो साउथ लेडीज विंग की 40 सदस्याएं वियतनाम की यात्रा पर रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग की 40 सदस्याएं वियतनाम के प्रसिद्ध द्वीप फु क्रोक के लिए 6 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर रवाना हुईं। अध्यक्षा बबीता रायसोनी ने बताया कि इस यात्रा के उद्देश्य को केवल पर्यटन तक सीमित न बताते हुए इसे महिला सशक्तिकरण, आपसी एकता और आत्मविकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने यात्रा की विस्तृत योजना के बारे में बताया। यात्रा संयोजिका अंगीका बाफना ने बताया कि लेडीज समूह फु क्रोक में स्थित विश्वप्रसिद्ध विन वंडर्स, फू क्रोक थीम पार्क का भ्रमण करेगा, साथ ही दुनिया की सबसे लंबी समुद्री केबल कार मानी जाने वाली, हों थाम केबल कार का अनुभव करेगा। सह-संयोजिका रेखा जैन के साथ उपाध्यक्ष नीलम शांड, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर, अर्पिता लधानी और संगीता सियाल भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

वंचित समुदायों की सेवा के लिए भारत की पहली 'मोबाइल मिर्गी वैन' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एस्टर व्हाइटफील्ड अस्पताल ने रोटरी बेंगलूरु आईटी कॉरिडोर के साथ मिलकर कर्नाटक की पहली मोबाइल मिर्गी वैन का उद्घाटन किया गया। यह वैन मिर्गी रोकथाम और एकीकृत देखभाल(ईपीआईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और वंचित समुदायों में मरीजों को मिर्गी के उपचार की पहुंच को बढ़ाना है । इस शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कन्नड़ अभिनेता और निर्देशक रमेश अरविंद, कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवा निदेशक डॉ. वसंत कुमार, एस्टर हॉस्पिटल्स, कर्नाटक क्लस्टर के सीईओ डॉ. प्रशांत एन और रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित थे। शुभारंभ के मौके पर 3,000 से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई और उपचार से संबंधित जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।असाध्य मिर्गी के रोगियों के लिए 62 शल्यक्रियाओं में सहायता प्रदान की। मोबाइल एपिलेप्सी वैन एक अत्याधुनिक वीडियो ईईजी मशीन से सुसज्जित है, जिससे मिर्गी के रोगियों की मौके पर ही जांच की जा सकती है। यह वैन विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) का दौरा करके स्थानीय समुदायों में रोगियों की जांच करेगी, जो हमारे पहुंच से बाहर के लोगों तक पहुंचना के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस इकाई को एक प्रशिक्षित ईईजी तकनीशियन का सहयोग प्राप्त है और आउटरीच शिविरों के दौरान एक न्यूरोलॉजिस्ट, नर्स और चिकित्सा दल भी मौजूद रहेंगे। ईईजी, जो उच्च चिकित्सा सुविधाओं में काफी महंगी है, अब इन शिविरों के माध्यम से वंचित रोगियों के लिए सुलभ बनाया जा रहा है।

109 साल पुराने कर्ज का भुगतान पाने के लिए ब्रिटिश सरकार को नोटिस भेजेगा सीहोर का रूठिया परिवार

सीहोर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के प्रतिष्ठित और रसूखदार व्यवसायी रहे सेठ जुम्मा लाल रूठिया के परिवार की तीसरी पीढ़ी के एक सदस्य ने दावा किया है कि करीब 109 साल पहले तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपए का 'युद्ध ऋण' लिया था, जिसे आज तक लौटाया नहीं गया है।

दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते, विवेक रूठिया अब ब्रिटेन की सरकार को एक कानूनी नोटिस भेजने की योजना बना रहे हैं ताकि उन्हें 1917 में लिया गया यह कथित कर्ज उन्हें वापस मिल सके।

पैंसठ वर्षीय विवेक रूठिया ने ब्रिटिश हुकूमत के साथ कर्ज के लेन-देन के दस्तावेज होने का दावा करते हुए कहा कि अंग्रेज देश छोड़कर चले गए लेकिन आज तक इस कर्ज को नहीं लौटाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार को कर्ज देने के 20 साल बाद 1937 में उनके दादा की मौत हो गई थी।

साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के दौरान, भारत में ब्रिटिश प्रशासन ने अपने युद्ध प्रयासों का समर्थन करने के लिए स्थानीय नागरिकों से धन मांगा था।

विवेक रूठिया ने कहा कि पुनर्भुगतान की राशि अब करोड़ों रुपए में होगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उस समय सोने की क्या कीमत थी और आज क्या है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

विवेक रूठिया ने चार जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र दिखाया गया जिसमें कहा गया है, सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपए दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

विवेक रूठिया ने कहा कि उन्हें दादाजी की वसीयत में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के साथ पत्राचार का विवरण देने वाले दस्तावेज मिले, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि अंग्रेजों ने पैसे उधार लिए थे। उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, एक संप्रभु राष्ट्र सैद्धांतिक रूप से अपने पिछले ऋणों को चुकाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है। उन्होंने कहा कि उनके पास सभी दस्तावेज हैं और वह अपने कानूनी सलाहकार से सलाह लेने के बाद ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

विवेक रूठिया ने कहा कि उन्हें वसीयत में ब्रिटिश हुकूमत के साथ हुई लिखा-पढ़ी के दस्तावेज मिले हैं, जिससे साफ होता है कि अंग्रेजों ने यह राशि भोपाल रियासत में अपने प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए ली थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आजादी से पहले रूठिया परिवार सीहोर और भोपाल रियासत के सबसे बड़े पूंजीपति परिवारों में शामिल था तथा आज भी सीहोर शहर की 40 से 45 फीसदी बसाहट उनकी जमीन पर बसी है।

विवेक रूठिया ने कहा कि इंदौर, सीहोर और भोपाल में कई ऐसी संपत्तियां हैं जो रूठिया परिवार के नाम पर पंजीकृत हैं, लेकिन उन्हें उनके बारे में पता नहीं है और अगर उन्हें पता भी है तो उन पर अन्य लोगों का कब्जा है।

देवी उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सेवन स्टार विनायक गेलेयारा बळगा केपी अग्रहारा द्वारा बंडे महाकाली उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्सव में शामिल हुए तथा देवी मां के दर्शन किए। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान औरंगजेब को नायक नहीं मानता: फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को नायक नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की।मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने कहा, अगर पिछले 70 साल में इतिहास सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो एक भी मुसलमान औरंगजेब को नायक नहीं मानता। हम आक्रांताओं को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।

इससे पहले, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान की तुलना करके विवाद खड़ा कर दिया था। फडणवीस ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए टिप्पणी को शर्मनाक बताया था। मुख्यमंत्री ने राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के आदेश के बाद, उपजे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी।

राष्ट्रसंत पंकजमुनि का होली चातुर्मास आलंदी संघ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तुरकिया जैन भवन से चातुर्मास सम्पन्न कर श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री पंकजजी, डॉ वरुणमुनिजी, रूपेशमुनिजी हम्पी, बादामी, गोवा, कोल्हापुर, इचलकरंजी, महाबलेश्वर होते हुए पूना के यशलोन पहुंचे जहां पोपटलाल कर्णावट एवं उनकी टीम द्वारा संतों का स्वागत किया। आलंदी संघ के पदाधिकारियों ने संतों से होली चातुर्मास का निवेदन किया तथा निवेदन को स्वीकार करते हुए संतों ने होली चातुर्मास हेतु वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ आलंदी को स्वीकृति प्रदान की।

ज्ञातव्य है कि आलंदी महान संत श्री ज्ञानेश्वरजी की कर्मभूमि-जन्मभूमि और पुण्य भूमि है। इस अवसर पर रूपेशमुनिजी ने बताया कि वरुणमुनिजी चार दिवसीय मौन साधना के उपरांत 4 मार्च को बीज मंत्रों सहित पांच महामंगलपाठ प्रदान करेंगे। आलंदी संघ के संजय जैन ने बताया कि हमारे संघ का यह सौभाग्य है लगभग 10 वर्षों के पश्चात पुनः गुरु भगवंत का आलंदी नगरी में मंगलमय पदार्पण होने जा रहा है। संघ के अध्यक्ष व समाजसेवी सुरेश काका ने भी संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर सुरेश काका का जन्मदिवस भी मनाया जाएगा।

ब्रिटेन में हिंदू मंदिर के बंद होने का खतरा, काउंसिल ने भवन को बेचने का निर्णय लिया

लंदन/भाषा। पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक परिसर में मौजूद 40 साल पुराने हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर के बंद होने का डर है, क्योंकि स्थानीय प्राधिकारियों ने इस भवन को बेचने के फैसले को सही ठहराया है जो मंदिर के लिए किराये पर दिया गया है।

भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी और कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक तथा लिंकनशायर के बड़े इलाके के 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं।

मंदिर प्रशासन पीटरबरो सिटी काउंसिल से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए अभियान चला रहा है।

इस महीने की शुरुआत में काउंसिल कैबिनेट की बैठक में यह कहा गया कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य दिलाने की उसकी कानूनी जिम्मेदारी है। वहीं, मंदिर ने एक बयान में कहा, हम भारत हिंदू समाज से जुड़े भवन की बिक्री की कड़ी निंदा करते हैं। समुदाय द्वारा बनाई गई संस्था को बंद दरवाजों के पीछे बिना पारदर्शिता या सहमति के नहीं बेचा जाना चाहिए।

इसमें कहा गया, यह सिर्फ संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि विरासत, भरोसे और जवाबदेही के बारे में है। समुदाय जवाब पाने का हक रखता है, गोपनीयता का नहीं। इस फैसले पर सवाल उठाए जाने चाहिए और इसका विरोध किया जाना चाहिए।

हिंदू काउंसिल यूके, जो ब्रिटिश हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख संस्था है, ने लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल (पीसीसी) के नए प्रशासन पर मंदिर के सामाजिक प्रभाव मूल्य को पूर्व में मानने और भारत हिंदू समाज को इसका स्वामित्व हस्तांतरित करने की प्रतिबद्धता को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**